मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 165
सोमवार, 30 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

महाकुंभ का संदेश एकता स्थापित करना और समाज से नफरत को खत्म करना है: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को महाकुंभ को एकता का महाकुंभ बताया और लोगों से इस आगामी भव्य धार्मिक समागम से समाज से नफरत और विभाजन को खत्म करने के संकल्प के साथ लौटने का आग्रह किया। मोदी ने अपने मासिक मन की बात कार्यक्रम में कहा, महाकुंभ का संदेश एक हो पूरा देश।उन्होंने प्रयागराज में अगले साल 13 जनवरी से आयोजित इस समागम में शामिल होने वाले लोगों की विविधता के मद्देनजर कहा कि विविधता में एकता के ऐसे दृश्य का कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। उन्होंने कहा, महाकुंभ की विशेषता न केवल इसकी विशालता बल्कि इसकी विविधता में भी है।यह विशाल धार्मिक आयोजन हर 12 साल में आयोजित किया जाता है। मोदी ने कहा कि आगामी गणतंत्र दिवस संविधान के लागू होने की 75वीं वर्षगांठ होगी जो देशवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है। उन्होंने कहा, यह हमारा मार्गदर्शक है। मोदी ने कहा कि वह अपने जीवन में इस स्तर तक संविधान के कारण ही पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को संविधान के प्रावधानों और भावना से जोड़ने के लिए कॉन्स्टीट्यूशन 75 डॉटकॉम नामक एक वेबसाइट शुरू की गई है।

विपक्षी दल केंद्र सरकार पर संविधान को कमजोर करने का अक्सर आरोप लगाते रहे हैं, जिसका सत्तारूढ़ दल ने जोरदार खंडन किया है। मोदी ने संवैधानिक मूल्यों एवं भावना को मजबूत करने के अपनी सरकार के प्रयासों का कई बार जिक्र किया है और मुख्य विपक्षी कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि जब भी वह सत्ता में रही, उसने संविधान को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया।

लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है भाजपा : अखिलेश यादव

लखनऊ, 29 दिसम्बर। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है। समाजवादी पार्टी की ओर से जारी एक बयान में अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या करती है। लोगों को संविधान से मताधिकार मिला हुआ है, लेकिन भाजपा मतदान करने का अधिकार छीन रही है। इन उपचुनावों में मतदाताओं को लूटा गया। लोगों को पुलिस प्रशासन के जरिए मतदान करने से रोका गया। लखनऊ में सपा के राज्य मुख्यालय में खनगर समुदाय से बड़ी संख्या में एकत्र लोगों को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि संविधान लागू करने के लिए अच्छे लोगों की जरूरत है। बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा दिया गया संविधान गरीबों, किसानों, वंचित तबकों को मजबूती देता है। भाजपा संविधान को कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा फर्जी समाचार का उद्गम स्थल है। यह फजीवाड़ा और झूठ फैलाती है, विपक्षियों के खिलाफ झूठे मामले दायर करती है और समाजवादी पार्टी के नेतृत्व को बदनाम करने का हमेशा षड़यंत्र करती है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने संवैधानिक संस्थानों को कमजोर किया है और यह तानाशाही की राह पर है।

द्रविड़वाद और साम्यवाद में वैचारिक मित्रता है, यह दोस्ती हमेशा रहेगी: एम. के. स्टालिन

चेन्नई, 29 दिसम्बर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि द्रविड़वाद और साम्यवाद के बीच संबंध चुनावी राजनीति से परे हैं और यह वैचारिक मित्रता हमेशा बनी रहेगी। स्टालिन ने गठबंधन के फिर से बनने का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए कहा कि दोनों आंदोलनों के बीच राजनीतिक मित्रता में कभी-कभार अल्पविराम लग सकता है, लेकिन वैचारिक दोस्ती हर परिस्थिति में जारी रहेगी। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने स्वतंत्रता सेनानी एवं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के दिग्गज नेता आर नल्लाकन्नू के 100वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, यह (मित्रता) जारी रहेगी। स्टालिन ने कहा कि दिग्गज कम्युनिस्ट नेता सिंगारवेलर ने उस समय पेरियार का समर्थन किया था, जब उन्होंने द्रविड़ कषगम की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि वास्तव में द्रमुक के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि ने एक बार कहा था कि अगर द्रविड़ कषगम अस्तित्व में नहीं आता तो वह साम्यवाद के आंदोलन में शामिल हो जाते। उन्होंने रूसी साम्यवादी नेता जोसेफ स्टालिन का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, मेरा नाम भी स्टालिन है। स्टालिन ने कहा, दोनों आंदोलनों के बीच चुनावी राजनीति से परे वैचारिक मित्रता है। नल्लाकन्नू को उनके 100वें जन्मदिन के अवसर पर दिया जाने वाला सबसे अच्छा उपहार जातिवाद, सांप्रदायिकता, बहुसंख्यकवाद और निरंकुशता के खिलाफ लोकतांत्रिक ताकतों का हाथ मिलाना होगा। स्टालिन ने नल्लाकन्नू की प्रशंसा करते हुए स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उनके सामने आई कठिनाइयों को याद किया। उन्होंने कहा कि तमाम यातनाएं सहने के बाद भी नेता कभी नहीं झुके।

दिल्ली के गुरुद्वारा मजनू का टीला साहिब के पास विसर्जित की गई पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अस्थियां

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के एक दिन बाद उनके परिवार ने रविवार को उनकी अस्थियों का विसर्जन किया। दिल्ली के गुरुद्वारा मजनू का टीला साहिब के पास पूर्व प्रधानमंत्री की अस्थियों को विसर्जित किया गया है। शनिवार को, निगमबोध घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ सिंह का अंतिम संस्कार किया गया था।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शनिवार को दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित निगमबोध घाट पर उनके परिवार, मित्रों, सहकर्मियों और सरकारी गणमान्य लोगों की मौजूदगी में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। सिख रीति-रिवाजों के अनुसार वीआईपी घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। डॉ. सिंह के पार्थिव शरीर को चंदन की लकड़ियों की चिता पर रखा गया था।

कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर केंद्र सरकार ने भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री का सरासर अपमान किया है। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर पलटवार किया और उस पर मनमोहन सिंह के निधन को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। नड्डा ने कहा कि इस घटिया सोच के लिए कांग्रेस की जितनी भी निंदा की जाए, कम है।

मथुरा में एनएच-19 पर हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

मथुरा, 29 दिसम्बर। मथुरा जिले के छाता कोतवाली थाना क्षेत्र में एक चीनी मिल के सामने रविवार सुबह ट्रैक्टर ट्रॉली और ट्रक की टक्कर में तीन व्यक्तियों की मौत हो गयी और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। छाता कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संजय कुमार त्यागी ने कहा, इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसा उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार ट्रक ने ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली से आगे निकलने की कोशिश में उसे टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि दोनों वाहन छाता से मथुरा जा रहे थे। मृतकों की पहचान उमेश, पूरन सिंह और ट्रक चालक प्रिंस के रूप में हुई है। पूरन सिंह ट्रैक्टर पर सवार था। त्यागी ने बताया कि हादसे में घायल तीन लोगों को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां पूरन सिंह और प्रिंस की मौत हो गई, जबकि धर्मेंद्र यादव नाम के व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि उमेश की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की उम्र का अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

असम में 15 करोड़ रुपये की कीमत के मादक पदार्थ जब्त, दो गिरफ्तार

असम। असम के कछार जिले में दो लोगों को गिरफ्तार कर 15 करोड़ रुपये की कीमत की मादक पदार्थ की एक बड़ी खेप जब्त की गयी है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 15 करोड़ रुपये की कीमत के मादक पदार्थ जब्त किए गए... विश्वसनीय जानकारी के आधार पर कछार पुलिस ने घुंघुर बाईपास पर एक विशेष अभियान चलाया और पड़ोसी राज्य से आ रहे एक वाहन को रोका। शर्मा ने कहा कि गहन तलाशी के बाद शनिवार को पांच पैकेटों में छिपाकर रखी गई 50,000 याबा की गोलियां बरामद की गईं। उन्होंने कहा, दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है ।

आचार्य किशोर कुणाल का निधन अत्यंत दुःखद, सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षतिः योगी आदित्यनाथ

अयोध्या/लखनऊ, 29 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए रविवार को कहा कि उनका निधन अत्यंत दुःखद और सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य, महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल जी का निधन अत्यंत दुःखद और सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है।

योगी ने इसी पोस्ट में कहा, उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों एवं शुभचिन्तकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति। बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड (बीएसबीआरटी) के पूर्व प्रमुख और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल का रविवार को पटना में हृदयाघात से निधन हो गया।

वर्ष 1972 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी कुणाल पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर ट्रस्ट के सचिव थे।

यह ट्रस्ट राज्य में कई अस्पताल भी चलाता है। आचार्य किशोर कुणाल अयोध्या के अमावा मंदिर ट्रस्ट के सचिव भी थे। महावीर मंदिर पटना ट्रस्ट ने राम मंदिर निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। वह लगातार अयोध्या के अमावा मंदिर में राम भक्तों के लिए मुफ्त सामुदायिक भोजन का आयोजन कर रहे थे।

विश्व बंधुत्व की भावना से ही बनेगा वैश्विक परिवार

-रमेश सर्राफ धमोरा

1 जनवरी वैश्विक परिवार दिवस पर विशेष

महात्मा गांधी का एक प्रसिद्ध भजन है वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे। दूसरों की पीड़ा समझने वाला ईश्वर के समान होता है। गांधी जी के इस भजन की पंक्तियों को भारत सही अर्थों में चरितार्थ कर रहा है। भारत हमेशा से ही विश्व बंधुत्व की भावना के सिद्धांत को अपनाकर उसी मार्ग पर चलाता आ रहा है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो हमेशा से ही सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता रहा है।

दुनिया के किसी भी देश में कैसा भी संकट आया हो भारत उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आता है। इसी को कहते हैं विश्व बंधुत्व की भावना। वैश्विक परिवार दिवस यदि दुनिया का कोई देश सही मायने में मनाता है तो वह भारत ही हैं। भारत में आज भी अतिथि देवो भव की भावना जिंदा है। यहां के लोग स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को भोजन करवाना अपना परम धर्म समझते रहे हैं। वैश्विक परिवार का अर्थ है वसुधैव कुटुम्बकम इसका मूल सिद्धांत यह है कि संपूर्ण मानवता एक परिवार है। इस विचारधारा के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी राष्ट्र, जाति, या धर्म से हो, एक ही व्यापक परिवार का हिस्सा है। इस सिद्धांत के अनुसार, विश्व में सभी का समान महत्व है और हर किसी को समान सम्मान मिलना चाहिए। दुनिया भर में लोग नए साल की पहली सुबह का आनंद उठाते हैं। लोग अपने दोस्तों, परिवार और करीबी लोगों के इस खास दिन का जश्न मनाते हैं। नए साल के साथ ही साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। हर साल एक जनवरी को मनाए जाने वाले इस दिवस के जरिए परिवारों के माध्यम से राष्ट्रों और संस्कृतियों में एकता, समुदाय और भाईचारे की भावना पैदा करता है। दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी है कि एक परिवार का निर्माण हो। ताकि विश्व में शांति की स्थापना होने के साथ ही हिंसा भी कम की जा सकें। जब पूरी दुनिया नए साल का जश्न मनाती है। उसी दिन पूरे विश्व में वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। ताकि विश्व में रहने वाले सभी लोग एक परिवार की तरह रहें। इस तरह विश्व के सभी राष्ट्रों और समुदाय में भाईचारे की भावना पैदा हो सके। वैश्विक परिवार दिवस जिसे विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। दुनिया में सद्भाव और एकता की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए हर साल मनाया जाता है।यह दुनिया के एक वैश्विक गांव के विचार पर जोर देता है। जिसमें नागरिकता, सीमा या नस्ल की परवाह किए बिना हम सभी एक परिवार हैं। एक खुशहाल परिवार वह परिवार नहीं है जिसमें हर कोई एक दूसरे के जैसा सोचता, काम करता, महसूस करता या व्यवहार करता हो। एक खुशहाल परिवार की एक पहचान यह है कि पूरा परिवार एक दूसरे को वैसे ही स्वीकार करता हैं। यह दिन पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। वैश्विक परिवार दिवस को शांति और साझाकरण के वैश्विक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य बहुसंस्कृतिवाद, बहुलवाद को बढ़ावा देना और शांति और सद्भाव के साथ एक-दूसरे के साथ रहना सिखाना है। यह दिन विश्व के एक वैश्विक परिवार होने के विचार को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य एकजुट होना और इस विचार को बढ़ावा देकर शांति का संदेश फैलाना है कि पृथ्वी एक वैश्विक परिवार है। ताकि दुनिया को सभी के लिए रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाया जा सके।

वैश्विक परिवार दिवस की उत्पत्ति दो पुस्तकों में हुई थी। पहली 1996 में अमेरिकी लेखकों स्टीव डायमंड और रॉबर्ट एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित वन डे इन पीस 1 जनवरी 2000 नामक बच्चों की किताब थी। वहीं दूसरी किताब अमेरिकी शांति कार्यकर्ता और लेखक लिंडा ग्रोवर का 1998 का यूटोपियन उपन्यास ट्री आइलैंडरू ए नॉवेल फॉर द न्यू मिलेनियम थी। विशेष रूप से ग्रोवर ने 1 जनवरी को शांति के वैश्विक दिवस के रूप में स्थापित करने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इन किताबों के विचारों के आधार पर ही 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1 जनवरी को शांति का एक दिन मनाने की घोषणा की। बाद में 1999 में संयुक्त राष्ट्र और इसके सदस्य देशों ने पहली बार वैश्विक परिवार दिवस मनाया गया। इस दिवस की सफलता को देखते हुए साल 2001 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन को एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया। इसके बाद से हर साल एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। नए साल की शुरूआत के साथ ही इस दिन को मनाने का मकसद एक ऐसे समाज की स्थापना करने का प्रयास है जहां सिर्फ शांति हो। हालांकि यह एक नई शांतिपूर्ण दुनिया की शुरूआत थी और 1999 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को शांति निर्माण की दिशा में रणनीति विकसित करने के लिए उस विशेष वर्ष के पहले दिन को औपचारिक रूप से समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए 2001 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक परिवार दिवस को एक वार्षिक कार्यक्रम घोषित किया गया। पहला वैश्विक परिवार दिवस पहली बार वर्ष 2000 में एक जनवरी को देखा गया था। तब से हर साल नए साल के पहले दिन को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाता है। नए साल के आगाज साथ ही वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस को हर साल एक जनवरी को मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के सभी देशों, धर्मों के बीच शांति की स्थापना करते हुए युद्ध और अहिंसा को टालना है। साथ ही यह भी कोशिश है कि आपसी मतभेदों को बात-चीत के जरिए से निपटाया जाए और एक शांतिपूर्ण समाज की स्थापना की जा सके। इस दिन के लिए परिवार को काफी अहम माना गया है। क्योंकि परिवार के जरिए ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है। वैश्विक परिवार दिवस मनाने का सबसे अच्छा तरीका अपने परिवार के साथ दिन बिताना है। इस दिन लोग एक साथ रात्रिभोज की योजना बनाते हैं और अन्य पारिवारिक गतिविधियों का आनंद लेते हैं जो उनके बंधन को मजबूत करते हैं और शांति को बढ़ावा देते हैं। परिवार के साथ मनोरंजक गतिविधियों में एक साथ शिविर लगाना या एक साथ खाना बनाना, पिकनिक पर जाना, ट्रेक और बहुत कुछ शामिल हो सकता है। इस दिन को समुदाय के हिस्से के रूप में मनाने के लिए आप उन संगठनों के लिए स्वयंसेवक बन सकते हैं जो समुदाय का निर्माण करते हैं, हिंसा को कम करते हैं और अपने परिवार के साथ सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं। आप वैश्विक शांति की दिशा में प्रयासों के बारे में कोई भी फिल्म देख सकते हैं। आज पूरी दुनिया में युद्ध का वातावरण बना हुआ है। कई देशों में युद्ध छिड़ा हुआ है तो कई देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हुए हैं। तीसरे विश्व युद्ध की आशंका व्यक्त की जा रही है। लोग एक दूसरे के दुश्मन बनते जा रहे हैं। जरा जरा सी बात पर लड़ाई झगड़ा होने लगता है। ऐसे में वैश्विक परिवार दिवस हमारे लिए आशा की एक नई किरण लेकर आता है। इस दिवस से हमें पूरे विश्व को एक परिवार के रूप में बनाने की प्रेरणा मिलती है। यदि हम वैश्विक परिवार दिवस की अवधारणा के अनुरूप एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना अपना कर काम करे तो दुनिया शांति के पथ पर चलने लगेगी और सही मायने में इस दिवस की सार्थकता भी सिद्ध हो सकेगी।

संभाल कर जाएं हॉस्पिटलों द्वारा फ्री लगने वाले मेडिकल कैम्प में

अशोक भाटिया

देश में कई संस्थाएं फ्री मेडिकल चेकअप गरीब जनता के लिए भलाई के लिए लगाती है और इन केम्पों से केम्प में भाग लेने वाली गरीब जनता को बहुत लाभ भी मिलता है । इन केम्पों से गरीब जनता को फ्री जाँच ,डाक्टरी सलाह , इलाज वगेरह मिल जातें है । कई केम्पों में तो बड़ें बड़ें ऑपरेशन भी फ्री में हो जाते है । पर हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में एक बड़ा स्वास्थ्य घोटाला सामने आया है, जिसमें फर्जी तरीके से मेडिकल चेकअप लगाकर व आयुष्मान कार्ड बनाकर लोगों के ऑपरेशन किए गए। इस घोटाले के कारण दो लोगों की मौत हो गई और सात लोगों की जिंदगी भी खतरे में पड़ गई। बताया जाता है कि गुजरात के कई ख्याति हॉस्पिटल ने कई हेल्थ चेकअप कैंप लगाए थे, जिनमें से कुछ मेहसाणा के बोरीसाणा गांव में आयोजित किए गए थे। इन कैंपों में डॉक्टरों ने लोगों को यह बता दिया कि उनके दिल में समस्याएं हैं और उन्हें एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता है। इसके बाद, सात मरीजों को ऑपरेशन किया गया और उनमें से दो की ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। जब मरीजों के परिजनों ने इस घटना पर हंगामा किया, तो यह मामला सामने आया। चूँकि प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना (ढ्व्ख्अ) , जिसे आमतौर पर आयुष्मान भारत योजना के नाम से जाना जाता है, का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा देना है। लेकिन अब यह योजना इन हॉस्पिटलों के घोटाले का शिकार हो गई है, जिसमें कई लोगों के जीवन से खेला गया।

अहमदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक गिरोह के 8 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो 1500 रुपये लेकर 15 मिनट में किसी का भी आयुष्मान कार्ड बना देते थे। इस गिरोह में अस्पताल मालिक, डॉक्टर और आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अधिकृत वेंडर शामिल थे। यह गिरोह लोगों का स्वास्थ्य चेकअप कैंप लगाकर, उन्हें फर्जी बीमारियों का शिकार बताकर अस्पताल में भर्ती कर देता था। इसके बाद, अगर मरीज के पास आयुष्मान कार्ड था, तो उसे तुरंत कक्ष में भर्ती किया जाता था और ऑपरेशन कर दिया जाता था। यदि मरीज के पास कार्ड नहीं था, तो उसे इमरजेंसी के नाम पर कार्ड बनवाया जाता था, और फिर ऑपरेशन कर दिया जाता था। इसके बाद, सारे बिल सरकार को भेजकर पैसा निकाल लिया जाता था। अब तक इस गिरोह ने लगभग 3000 आयुष्मान कार्ड बनाए हैं और इसके जरिए प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना के तहत 16 करोड़ रुपये निकाल चुका है। जांच में यह भी सामने आया कि ख्याति हॉस्पिटल के मालिक, अस्पताल के डॉक्टर, और कुछ एजेंसी के कर्मचारी इस गिरोह में शामिल थे। इस मामले के पर्दाफाश के बाद, पुलिस ने ख्याति अस्पताल को ब्लैकलिस्ट कर दिया है और इस घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

आयुष्मान योजना के तहत, सरकार गरीबों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देने का वादा करती है। यह योजना उन लोगों के लिए है जो खाद्य सुरक्षा योजना या किसी अन्य सरकारी योजना में रजिस्टर्ड होते हैं। आमतौर पर आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया काफी सरल होती है। अगर किसी का नाम सरकारी योजना में दर्ज होता है, तो केवल आधार कार्ड की कॉपी अपलोड करने से कार्ड बन जाता है। लेकिन इस घोटाले में, एजेंसी और अस्पताल के मालिक ने इस प्रक्रिया का गलत तरीके से फायदा उठाया।

दरअसल गरीबों को आयुष्मान कार्ड बनाने में दिक्कत न हो, इसलिए आवेदन करने की प्रक्रिया बेहद साधारण है। अगर किसी का नाम खाद्य सुरक्षा योजना या गरीबों के लिए चलने वाली किसी भी योजना के तहत दर्ज है, तो आयुष्मान पोर्टल पर जाकर सिर्फ आधार कार्ड की कॉपी अपलोड करनी पड़ती है। अगर डेटा मैच हो गया तो तुरंत आयुष्मान कार्ड बन जाता है। लेकिन अगर किसी का डेटा मैच न हो या फिर उसका नाम किसी योजना में रजिस्टर न हो तो ऐसे लोगों को अपने डॉक्यूमेंट के वेरिफिकेशन के लिए आयुष्मान कार्ड सेंटर जाना होता है।

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का काम सरकार ने प्राइवेट एजेंसियों को दे रखा है। गुजरात में ये काम Enser Communication Pvt. Ltd के पास है। ख्याति हॉस्पिटल के मालिक ने इस एजेंसी के साथ सांठगांठ कर रखी थी। जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं होता था, उन्हें भर्ती करने के बाद सबसे पहले इस एजेंसी के पास उनके दस्तावेज भेजे जाते थे। इसके बाद 15 मिनट में आयुष्मान कार्ड बनकर आ जाता था। बात इतनी ही नहीं जिन लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाता वे शारीरिक रूप से स्वस्थ होते। इसके बाद आयुष्मान योजना के तहत ऑपरेशन किया जाता था। क्राइम ब्रांच के ज्वाइंट कमिश्नर शरद सिंघला बताते है कि उन्होंने आरोपियों की कहानी का सच जानने के लिए अपना आयुष्मान कार्ड बनाने को कहा तो आरोपियों ने 15 मिनट में ज्वाइंट कमिश्नर का आयुष्मान कार्ड बनाकर दे दिया। गुजरात पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की जांच में यह मामला सामने आया। अहमदाबाद के ज्वाइंट कमिश्नर शरद सिंघला ने अपने आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आरोपियों से संपर्क किया और उसे 15 मिनट में कार्ड तैयार कर दिया गया। इस घटना के बाद, पुलिस ने इस गिरोह के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी। इसके अलावा, आयुष्मान कार्ड बनाने वाली कंपनी Enser Communication Pvt. Ltd के कर्मचारियों ने भी भ्रष्टाचार के तहत कार्ड बनाने का काम किया था। इस घोटाले के खुलासे के बाद, केंद्र सरकार को आयुष्मान योजना के पोर्टल को अपडेट करने की जरूरत है सुनिश्चित किया जाए ताकि भविष्य में ऐसे मामलों को रोका जा सके। इसके अलावा, गुजरात के सभी अस्पतालों का ऑडिट करना जरुरी है इस घोटाले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि भ्रष्टाचार करने वाले लोग किसी भी योजना का फायदा उठा सकते हैं और इसके जरिए आम लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर सकते हैं।

मरीजों के परिजनों ने बताया कि अस्पताल ने बिना किसी अनुमति के ऑपरेशन किया और इसके लिए उनसे अतिरिक्त पैसे भी वसूले। एक मरीज के बेटे ने बताया कि उनके पिता का ऑपरेशन बिना उनकी सहमति के किया गया और 14 हजार रुपये अलग से वसूल लिए गए। इस पूरे मामले के दौरान, अस्पताल के मेडिकल प्रशासन से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने जवाब देने से इंकार कर दिया और कहा कि वे जांच के दौरान पुलिस से ही बात करेंगे। यह घोटाला यह साबित करता है कि आयुष्मान योजना का उद्देश्य नेक था, लेकिन भ्रष्टाचार और लालच ने इसे बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया। सरकार को इस प्रकार के मामलों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए, ताकि गरीबों को मिलने वाली चिकित्सा सुविधाएं सही मायने में मिल सकें। अगर किसी को इस योजना में गड़बड़ी का सामना हो या कोई भी योजना का दुरुपयोग देखे, तो उन्हें इसकी सूचना सरकार को देनी चाहिए। गुजरात का तो यह कांड तो केवल एक उदहारण है , ऐसे कांड देश के किसी भी शहर में हो सकते है।

नया साल सिर्फ-जश्न नहीं, आत्म-परीक्षण और सुधार का अवसर भी

-प्रियंका सौरभ

एक नया साल एक नई शुरूआत है। यह एक नए जन्म की तरह है। नया साल शुरू होते ही हमें लगता है कि हमें अपने जीवन में बदलाव करने, नई राह पर चलने, नए काम करने और पुरानी आदतों, समस्याओं और कठिनाइयों को अलविदा कहने की जरूरत है। अक्सर हम नई योजनाएँ और नए संकल्प बनाने लगते हैं। हम उत्साहित, प्रेरित और आशावान महसूस कर सकते हैं, लेकिन कभी-कभी आशंकित भी होते हैं। कवियों और दार्शनिकों ने अक्सर दोहराया है कि भविष्य में जो कुछ भी करना है, उसमें जीवन ने जो सबक हमें सिखाया है, उसे लागू करना जरूरी है। लेकिन यह कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल है। लोग एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं। संदेश, ग्रीटिंग कार्ड और उपहारों का आदान-प्रदान नए साल के जश्न का अभिन्न अंग है। मीडिया कई नए साल के कार्यक्रमों को कवर करता है, जिन्हें दिन के अधिकांश समय प्राइम चैनलों पर दिखाया जाता है। जो लोग घर के अंदर रहने का फैसला करते हैं, वे मनोरंजन और मौज-मस्ती के लिए इन नए साल के शो का सहारा लेते हैं।

नया साल सिर्फ. जश्न मनाने का समय नहीं है, बल्कि आत्म-परीक्षण और सुधार का अवसर भी है। अतीत की गलतियों से सीखते हुए हमें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। आइए हम अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करें और उन्हें प्राप्त करने की योजना बनाएँ। आइए हम नकारात्मकता को पीछे छोड़ें और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएँ। आइए हम जरूरतमंदों की मदद करके समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाएँ। आइए हम आत्म-विकास के लिए प्रयास करते रहें और नई चीजें सीखते रहें। लोग रंग-बिरंगे कपड़े पहनते हैं और मौज-मस्ती से भरी गतिविधियाँ करते हैं जैसे गाना, खेलना, नाचना और पार्टियों में जाना। नाइट क्लब, मूवी थिएटर, रिसॉर्ट, रेस्टोरेंट और मनोरंजन पार्क हर उम्र के लोगों से भरे हुए हैं। आने वाले साल के लिए नए संकल्पों की योजना बनाने की सदियों पुरानी परंपरा आम है। कुछ सबसे लोकप्रिय संकल्पों में वजन कम करना, अच्छी आदतें विकसित करना और कड़ी मेहनत करना शामिल है। आज के समय में, जब पर्यावरण के मुद्दे एक गंभीर चिंता का विषय हैं, तो पर्यावरण के प्रति संवेदनशील तरीकों से नए साल का जश्न मनाना हमारी जिम्मेदारी बन जाती है। पटाखों का उपयोग कम करना, पेड़ लगाना और जल संरक्षण इस दिशा में सकारात्मक कदम हो सकते हैं।

नया साल हमें अतीत की कड़वाहट को भूलकर नए रिश्ते शुरू करना सिखाता है। आइए हम एक-दूसरे के प्रति प्रेम और सद्भावना व्यक्त करें। आइए हम उन लोगों को सही रास्ते पर लाने का प्रयास करें जो अपना रास्ता भूल गए हैं। भगवद गीता में भगवान कृष्ण की शिक्षाएँ हमें याद दिलाती हैं कि हमें अपना काम करना चाहिए और परिणाम भगवान पर छोड़ देना चाहिए। नया साल सिर्फ. कैलेंडर बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन को एक नई दिशा देने का अवसर है। यह नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का समय है। आइए हम सब मिलकर इस नए साल को अपने और समाज के लिए बदलाव का साल बनाएँ। अब, सभी चमक-दमक के बीच, नए साल का दिन कुछ गंभीर सोच-विचार का भी समय है। हाँ, हम आत्मनिरीक्षण के बारे में बात कर रहे हैं-पिछले साल को पीछे देखते हुए और यह पता लगाते हुए कि हमने क्या सीखा है। क्या हमने आखिरकार मकड़ियों के डर पर विजय प्राप्त की? क्या हमने उन लोगों के साथ पर्याप्त समय बिताया जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं? यह कुछ हद तक हमारे जीवन की मुख्य घटनाओं को स्क्रॉल करने और यह सोचने जैसा है, ₹वाह, क्या मैंने वाकई ऐसा किया?₹ एक पेड़ लगाएँ, अपने भविष्य के लिए एक पत्र लिखें, या बोर्ड गेम का लुत्फ उठाएँ। इसे अपने लिए अनोखा बनाएँ और हर साल इसका इंतजार करें।

अब, इस तरह से आप एक परंपरा की शुरूआत कर सकते हैं! नए साल के दिन सोच-समझकर उपहार देकर प्यार फैलाएँ। यह कीमत के बारे में नहीं बल्कि इशारे के पीछे की भावना के बारे में है। एक हस्तलिखित नोट, एक व्यक्तिगत ट्रिंकेट, या एक हार्दिक संदेश दुनिया भर में अंतर ला सकता है जब आप उन लोगों के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हैं जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। अक्सर, हम या तो इसे महसूस नहीं करते या इसे स्वीकार करने से इनकार करते हैं और एक ऐसी कहानी लिखने की कोशिश करते हैं जो पहले ही खत्म हो चुकी है। ऐसे समय में हमें याद रखना चाहिए कि कभी-कभी कलम को नीचे रखना ठीक होता है। बंद दरवाजे से जूझना ठीक नहीं है। इससे चिपके रहने से आप दूसरी तरफ की खिड़की को देख नहीं पाते। जैसा कि माइंडफुलनेस प्रैक्टिशनर कहते हैं, सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि नए सिरे से शुरूआत करने के लिए आपके पास मौजूद पल से बेहतर कोई समय नहीं है। नए साल की सुबह, सबसे अच्छी स्थिति में, केवल सही सेटिंग ही बना सकती है; बाकी, जैसा कि वे कहते हैं, सब आपके भीतर है। हालाँकि, आप नए साल के दिन 2025 को धूम मचाने का फैसला करते हैं, इसे यादगार बनाते हैं। ऐसे नाचें जैसे कोई देख नहीं रहा हो, ऐसे हँसें जैसे यह अब तक का सबसे अच्छा मजाक हो और अपने दोस्तों को ऐसे गले लगाएँ जैसे आपने उन्हें एक दशक से नहीं देखा हो। क्योंकि अंदाजा लगाइए क्या? 2025 आपका चमकने का साल है। तो, आइए इसे यादगार बनाएँ, इसे यादगार बनाएँ और इसे खास बनाएँ! नई शुरूआत के जादू के लिए चीयर्स!

31 दिसम्बर की आधी रात को हम 2024 को अलविदा कह देंगे और कैलेंडर 1 जनवरी यानी 2025 के नए साल के दिन के लिए अपना नया पन्ना खोलेगा। उतार-चढ़ाव, मजेदार पल और कुछ खास नहीं-यह सब अब अतीत की बात हो जायेंगे। हम एक नए साल के मुहाने पर खड़े हैं, जो हमारे सामने आने वाली हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। हवा में उत्साह और चिंतन की गूंज है, जैसे पुरानी यादों और उम्मीदों का एक बेहतरीन मिश्रण। बुद्धिमान लोग कहते हैं कि जीवन विरामों के बीच में ज़िया जाता है-जैसे कि सांस छोड़ने के ठीक बाद और सांस लेने से पहले। हर अंत बस एक और शुरूआत है। वास्तव में इसे महसूस करने के लिए साल के पहले दिन से बेहतर कोई समय नहीं है।

सत्ता, लोभ और सिद्धांतहीनता राजनैतिक अस्थिरता के बड़े कारण

संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी जी ने कहा था कि सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। भारतीय राजनीति का उद्भव प्राचीन काल से हुआ है,किंतु इसकी प्रकृति में परिवर्तन तब आया जब भारत विश्व स्तर पर एक आधुनिक राज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारतीय राजनीति में स्वतंत्रता के पूर्व नैतिकता एवं संस्कृति की एकता के दम पर स्वतंत्रता संग्राम पर विजय प्राप्त की थी। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री,सरदार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय और ना जाने कितने महान व्यक्तियों ने नैतिकता और संस्कृति में एकजुट होकर ब्रितानी हुकूमत को देश से भगाया था। देश का स्वतंत्रता संग्राम जनप्रतिनिधियों को नैतिकता के पालन के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। जब भारत में स्वतंत्र लोकतांत्रिक राजनीति का आरंभ हुआ तो नैतिकता का पतन, क्षरण आरंभ हो गया। राजनीति धीरे धीरे सिद्धांत से विमुख होती गई तथा इसकी दशा और दिशा मैं नैतिकता का क्षरण तथा पतन धीरे-धीरे प्रारंभ हो गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह माना जाता रहा है की राजनीति में अनैतिकता के पनपने के दो प्रमुख कारण माने गए धनबल और बाहुबल। राजनीति में ऐसा कहा जाता है कि जिसके पास धन होता है उसके पास बल भी होता है, और भारतीय राजनीति में और कई प्रदेशों के संदर्भ में यह बात सर्वथा उचित प्रतीत होती है। भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल का नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के पतन के रूप में सामने आया है। स्वतंत्रता के पश्चात राजनेताओं में स्वयं के लिए धन एकत्र करना एवं येन केन प्रकारेण सत्ता स्थापित करने के प्रयास के कारण नैतिकता धीरे-धीरे स्खलित होती गई है। नेताओं का बेईमानी और भ्रष्ट कार्य में लिप्त होना भी राजनीति में नैतिकता के पतन का प्रमुख कारण है,और यही कारण है कि आज अधिकतर भारतीय राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं, एवं उन पर मुकदमा भी चल रहा है। यह सर्व विदित है कि सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति बनाने की होड़ में राजनेताओं को कर्तव्य पथ से विमुख होते देखा गया है। राजनीति में राजनेताओं ने इसे संपत्ति कमाने का जरिया ही मान लिया है। सार्वजनिक संसाधनों का पूरा नियंत्रण राजनेताओं के पास होता है इसका उपयोग में अपने संसदीय, विधानसभा क्षेत्र के लिए करते हैं। इस तरह पूरे राज्य स्वदेश के संसाधनों का किसी एक क्षेत्र में निवेश करते जाते हैं, जो अनैतिकता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। राजनीति में भाई भतीजावाद एक सामान्य बहुत चर्चित लक्षण है, कोई भी राजनेता आज यह चाहता है कि योग्यता हो ना हो कोई भी बड़ा पद उसके भाई, भतीजे ,पत्नी ,बेटे आदि को मिल जाए, इतना ही नहीं कई बार सगे संबंधियों के अपराधी होते हुए भी राजनीतिक पद अथवा चुनावी टिकट दिलाने का प्रयास करते हैं। भारतीय राजनीति में क्रोनी कैपिटलिस्म यानी उद्योगपतियों एवं राजनीतिज्ञों का आपस में गठजोड़ को क्रोनी कैपिटलिस्म माना जाता है। इसमें उद्योगपति राजनीतिक चंदा का हवाला देते हुए राजनेताओं से देश की नीतियों को अपने पक्ष में करवा लेते हैं और इस तरह जनता का शोषण शुरू हो जाता है। भारतीय राजनीति में इस तरह के आरोप लंबे समय से लगते आ रहे हैं। राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों का महत्व घटने के साथ-साथ राजनीतिक मापदंड शासन को राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नकारात्मक रूप से प्रभावित करता जा रहा है। राजनेताओं से अपेक्षा होती है कि वह समाज के प्रति प्रतिबद्ध होकर काम करें किंतु अनैतिक राजनीति इस प्रतिबद्धता में एक बड़ी बाधा है, और इसके साथ ही राजनेता अनैतिक प्रथाओं का समावेश कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने मैं कतई गुरेज नहीं करते हैं। इतना ही नहीं राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की भाषा भी निम्न स्तर तथा अनैतिक होते जा रही है, और यही कारण है कि राजनीति में अयोग्य लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। विडंबना यह है कि भारत में प्रत्येक पेशेवर व्यक्ति के लिए कार्य करने के लिए योग्यता निर्धारित की गई है, किंतु जनता पर शासन करने वाले जनप्रतिनिधियों की कोई भी योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। संविधान में ही योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन संसद द्वारा पारित जनप्रतिनिधि अधिनियम 1991 में भी इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया। इसीलिए संविधान तथा इस अधिनियम में जनप्रतिनिधियों की शैक्षणिक योग्यता एवं एवं अपराधिक निर्योग्यता का प्रावधान किया जाना चाहिए जिससे राजनीति थोड़ी साफ सुथरी हो और नैतिकता तथा आत्मबल में वृद्धि हो। पढ़े लिखे, शिक्षित लोगों की राजनीति में आने से वहां का वातावरण थोड़ा शुद्ध होने की संभावना बनती है,और देश के विकास को भी बल मिलता है। यह बात महत्वपूर्ण है कि सामान्यता अपराधी प्रवृत्ति लोगों को विधानसभा या लोकसभा में टिकट नहीं दी जानी चाहिए, जिससे उनका राजनीति में प्रवेश प्रतिबंधित हो सके। प्रायः देखा गया है कि अनैतिकता की शुरूआत अधिक धन के संचालित होती है। इसीलिए सभी राजनीतिक दलों के प्राप्त चंदे को ऑडिट के दायरे में लाना जाकर लाया जाना चाहिए, ताकि नैतिक चंदे से राजनीति भी नैतिक हो सके। सदनों की नियमावली में परिवर्तन करते हुए सूचना के अधिकार के अंतर्गत जिसमें पार्टियों की गतिविधियां भी आर,टी,आई के दायरे में लाई जा सके। जिससे राजनीतिक पारदर्शिता को बल मिलेगा। हाल ही में भारतीय संसद की निष्पादन क्षमता में भारी कमी आई है, क्योंकि प्रत्येक राजनीतिक दल संसद का प्रयोग राजनीतिक लाभ के लिए करने लगे हैं, इसीलिए नियमावली में परिवर्तन के साथ इस पर लगाम लगाई जानी चाहिए। इससे राजनीति में नैतिकता का क्षरण ना हो। प्रसिद्ध विचारक हेनरी एडम ने कहा है कि मानव स्वभाव का ज्ञान ही राजनैतिक शिक्षा का आदि और अंत है।

इण्डिया गठबंधन वैचारिक एकता पर आधारित हो अवसरवाद पर नहीं

लोकसभा चुनावों से पहले यानी जुलाई 23 में 15 दलों के साथ बने उसी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन अर्थात यू पी ए ने इण्डिया गठबंधन नामक एक नया विपक्षी गठबंधन बनाने का प्रयास शुरू किया था। परन्तु इस बार इसमें 15 राजनैतिक दल नहीं बल्कि 26 पार्टियां शामिल हुई थीं। इण्डिया गठबंधन के अस्तित्व में आते ही सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की नींदें उड़ गयी थीं। सबसे पहले तो भाजपा नेता काफी दिनों तक इण्डिया गठबंधन (भारतीय राष्ट्रीय विकासशील समावेशी गठबंधन) में INDIA नाम के शामिल होने पर ही शोर शराबा करते रहे। उसके बाद जिस भाजपा ने दस वर्षों तक अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सहयोगियों की कभी बैठक बुलाने की जरुरत महसूस नहीं की थी उसी भाजपा को इण्डिया गठबंधन के मुकाबले राजग/ठउअ की भी पहली बार बैठक बुलानी पड़ी। उधर इण्डिया गठबंधन पर सिर मुंडाते ही ओले तब पड़ने लगे जबकि इण्डिया गठबंधन के अगुआकारों में सबसे अग्रणी भूमिका निभाने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार स्वयं ही इण्डिया गठबंधन छोड़ भाजपा से ही गलबहियां कर बैठे। परन्तु इसके बावजूद 2024 में आये चुनाव परिणाम ने यह सन्देश जरूर दे दिया कि यदि विपक्ष पूरी ईमानदारी व एकता के साथ सत्ता को चुनौती देगा तो निश्चित रूप से परिणाम चौंकाने वाले होंगे। परन्तु इस हकीकत से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि इसी इण्डिया गठबंधन में कुछ दल ऐसे भी शामिल हैं जिनके गठबंधन में शामिल सबसे बड़े दल कांग्रेस से बुनियादी वैचारिक मतभेद भी हैं। और समय समय पर यह मतभेद उभर कर सामने आते रहते हैं। उदाहरण के तौर पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना का अयोध्या मंदिर /मस्जिद विषय तथा सावरकर जैसे मुद्दों को लेकर विशेषकर कांग्रेस व अन्य समाजवादी दलों के साथ मतभेद का प्रश्न ? इसी तरह बंगाल में ममता बनर्जी का गठबंधन में शामिल वामदलों को सहन न कर पाना। जबकि कांग्रेस द्वारा पूरी ईमानदारी से गठबंधन धर्म निभाते हुये व बड़ा दल होने के नाते भी बड़े दिल का सुबूत देते हुये हरियाणा से लेकर बंगाल व बिहार झारखण्ड तक वामपंथियों को समझौते के अनुसार प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की जाती रही है। इसी तरह देश का सबसे नया राजनैतिक दल यानी आम आदमी पार्टी भी समय समय पर खास तौर पर सीटों के बंटवारे को लेकर सार्वजनिक रूप से गठबंधन की फूट को उजागर करने का काम करती रही है। पंजाब,हरियाणा से लेकर दिल्ली,हिमाचल व गुजरात तक यही देखा जा रहा है। और पिछले दिनों ऐसे समय में जबकि दो महीने बाद ही फरवरी 25 तक दिल्ली विधानसभा की घोषणा की संभावना है इस वातावरण में जबकि इण्डिया गठबंधन को पूरी तरह संगठित नजर आना चाहिए था बजाये इसके बजाये दिल्ली में गठबंधन के दोनों ही प्रमुख सहयोगियों कांग्रेस व आप में तलवारें खिंच गयी हैं। पिछले दिनों कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार और साथ ही भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ 'श्वेत पत्र' जारी किया। इसी दौरान कांग्रेस नेता अजय माकन ने कई ऐसे आरोप लगा दिये जिससे आप नेता तिलमिला उठे। माकन ने कहा कि "पहले केजरीवाल को समर्थन देना गलती थी और गठबंधन करना भी भूल थी। केजरीवाल भरोसे के योग्य नहीं। उनकी कोई विचारधारा नहीं है। केजरीवाल 'फजीवाल' हैं वे राष्ट्र विरोधी हैं।" राष्ट्रविरोधी शब्द से आप तिलमिला उठी और जवाब में आप नेताओं ने कांग्रेस से अजय माकन पर कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि अगर कांग्रेस ऐसा नहीं करती है तो आम आदमी पार्टी, इंडिया गठबंधन के नेताओं से मांग करेगी कि कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से हटाएं."

इंडिया गठबंधन में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना भी कांग्रेस वामपंथियों व अन्य गांधीवादी व समाजवादी विचारधारा रखने वाले दलों के साथ शामिल है। परन्तु यह साथ भी पूरी तरह अवसरवादी है। क्योंकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना 6 दिसंबर की अयोध्या घटना का श्रेय भी लेना चाहती है,स्वयं को उस घटना का अगुवाकार भी बताती है। इसी तरह सावरकर को लेकर शिवसेना (उद्धव) के विचार इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य दलों से अलग हैं। शिवसेना (उद्धव) सावरकर को हीरो बताती है जबकि इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य दल इन दोनों ही मुख्य मुद्दों पर शिवसेना (उद्धव) से मतभेद रखते हैं। दूसरी और इन्हीं दोनों मुद्दों पर भाजपा व शिवसेना (उद्धव) के मत एक समान हैं। गोया वैचारिक व सैद्धांतिक समानता शिवसेना (उद्धव) व भाजपा में है न कि शिवसेना (उद्धव) व कांग्रेस या इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य दलों में। इसलिए इस तरह का गठबंधन निश्चित रूप से सत्ता हथियाने का अवसरवादी खेल है न की सिद्धांतवादी राजनीति का हिस्सा।

उधर ममता बनर्जी व उनकी तृणमूल कांग्रेस तथा समाजवादी पार्टी जैसे बड़े क्षेत्रीय दल इंडिया गठबंधन में शामिल तो जरूर हैं परन्तु लोकसभा, विधानसभा व उपचुनावों के दौरान प्रत्याशी घोषित करते समय कांग्रेस पार्टी व ऐसे क्षेत्रीय दलों के बीच जिस समय रस्सा कशी होती है और मतभेद उभरते दिखाई देते हैं उससे भी साफ पता लगता है कि विभिन्न दल साथ साथ तो जरूर हैं परन्तु सभी की कोशिश यही रहती है कि किस तरह अपने आधार का और अधिक विस्तार करें और अपने सहयोगी दल को जितना हो सके पैर पसारने से रोकें। उधर क्षेत्रीय दल जिसतरह गठबंधन के समय भाजपा से भयभीत रहते हैं उसी तरह कांग्रेस के विस्तार का भय भी उन्हें सताता है। उधर यह भी सच है कि जिन जिन राज्यों में क्षेत्रीय दल मजबूत रहे हैं प्रायः वहां वहां दक्षिणपंथी ताकतों को मुंह की खानी पड़ी है परन्तु ठीक इसके विपरीत जहाँ जहाँ कांग्रेस के साथ भाजपा का सीधा मुकाबला रहा है वहां वहां प्रायः भाजपा ने कांग्रेस से सत्ता छीन ली है। इसलिये क्षेत्रीय दलों की प्रासंगिकता से भी हरगिज इंकार नहीं किया जा सकता। साथ ही यह भी सत्य है कि अवसरवाद पर आधारित गठबंधन टिकाऊ हरगिज नहीं हो सकता। लिहाजा यदि देश को अतिवादी शक्तियों से बचाना है और भारत की पहचान बन चुकी गांधीवादी नीतियों व सिद्धांतों को आगे बढ़ाना है तो इण्डिया गठबंधन में शामिल सभी दलों में वैचारिक एकता होनी तो जरूरी है ही साथ ही यह गठबंधनअवसरवाद पर आधारित हरगिज नहीं होना चाहिये।

– तनवीर जाफरी

डाबर ओडोनिल ने पुराने विज्ञापन को रीक्रिएट किया

मुंबई। डाबर इंडिया लिमिटेड की ओर से भारत के नंबर 1 एयर फ्रेशनिंग ब्राण्ड ओडोनिल ने अपने 10 साल पुराने टीवी विज्ञापन को जैसमीन भसीन के साथ रीक्रिएट किया है। इस नए कैंपेन के साथ ब्राण्ड ने नए साल के मौके पर पुराने कैंपेन की यादों को फिर से ताजा कर दिया है। यह कैंपेन बीते दौर के सबसे यादगार पहलुओं को नए अवतार में लेकर आया है। जो उपभोक्ताओं को पुराने विज्ञापन के साथ कनेक्ट करता है, उन्हें सादगी के उसी दौर में ले जाता है। तकरीबन 10 साल पहले आए पिछले विज्ञापन ने अपने हास्यास्पद और मजाकिया अंदाज के चलते जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की। इसमें दिखाया गया था कि बाथरूम में ओडोनिल न होने के कारण व्यक्ति को किस तरह से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। जैसमीन भसीन के साथ फिल्माए गए इस विज्ञापन ने खूब सुर्खियां बटोरीं। विज्ञापन में वे नई भारतीय दुल्हन के रूप में सोफे पर बैठी दिखाई देती हैं और कैमरे के सामने अपनी शादी से जुड़ी शिकायतों पर बात कर रही हैं। उनकी सबसे बड़ी शिकायत है, बाथरूम में ओडोनिल न होना, जिसके साथ वह बड़े ही रोचक अंदाज में स्टेटस और क्लास को लेकर चिंता जताती हैं। इसी तर्ज पर ओडोनिल का नया विज्ञापन बाथरूम में ओडोनिल की महत्वपूर्ण भूमिका पर रोशनी डालता है। यह बताता है कि बाथरूम में ओडोनिल होने से कैसे आपका लाईफस्टाइल बदल जाता है। डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग हैड- होमकेयर श्री वैभव राठी ने कहा, ओडोनिल के इस नए विज्ञापन का लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है, जो जैसमीन भसीन के साथ फिल्माए गए 10 साल पुराने विज्ञापन की याद दिलाता है। इस विज्ञापन को रीक्रिएट कर हम दर्शकों को उसी बीते दौर से जोड़ना चाहते हैं, वो भी एकदम नए अवतार में। पुराने विज्ञापन की यादों को फिर से ताजा कर, हम दर्शकों के साथ अपने रिश्ते को और मजबूत बनाना चाहते हैं। इस विज्ञापन में जैसमीन अपने खास अंदाज में दर्शकों को बताती हैं कि किस तरह से ओडोनिल लम्बे समय तक बाथरूम को खुशबूदार बनाए रखता है। सोश्योवलाउट के सीआरओ श्री अभिलाष सिंह ने कहा, ओडोनिल का नया विज्ञापन लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। ओडोनिल बाथरूम फ्रेगरेन्स इस्तेमाल में आसान हैं और बदबू को दूर भगा कर तुरंत बेहतरीन खुशबू देते हैं। हमें विश्वास है कि यह नया विज्ञापन फ्रेगरेन्स पसंद करने वाले उपभोक्ताओं को खूब लुभाएगा और यह याद दिलाएगा कि ओडोनिल उनके बाथरूम और उनकी दुनिया को पूरी तरह से बदल सकता है।

जूनो जनरल इंश्योरेंस ने इनोवेटिव प्रोडक्ट्स, इस फेस्टिव सीजन में बिक्री में 20% की बढ़ोतरी दर्ज की

मुंबई। जूनो जनरल इंश्योरेंस नए जमाने की डिजिटल बीमा कंपनी है, जिसे पहले एडलवाइस जनरल इंश्योरेंस के नाम से जाना जाता था। कंपनी ने इस फेस्टिव सीजन के दौरान बिक्री में 20% की बढ़ोतरी के साथ-साथ प्रीमियम कलेक्शन में 41% की शानदार वृद्धि दर्ज की है। इससे मोटर इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी के अलावा डिजिटल माध्यमों को ज्यादा पसंद करने वाले ऐसे ग्राहकों के बीच इसकी बढ़ती लोकप्रियता का संकेत मिलता है, जो रचनात्मक और बिना परेशानी वाले इंश्योरेंस सॉल्यूशंस की तलाश में रहते हैं। जूनो ने अपने ईवी इंश्योरेंस की पेशकश, जरूरतों के अनुरूप तैयार किए गए प्रोडक्ट्स तथा सेवाओं को अधिक मूल्यवान बनाने पर विशेष ध्यान दिया है, जिसकी वजह से ही कंपनी के मोटर इंश्योरेंस में शानदार बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने प्राइवेट कार इंश्योरेंस कॉन्ट्रैक्ट की मांग में भी बढ़ोतरी दर्ज की है, जिसमें ग्राहकों की ओर से ज़ीरो-डिप्रिशिएशन और रोडसाइड असिस्टेंस जैसे बेहद लोकप्रिय एड-ऑन की मांग लगातार बढ़ रही है। सितंबर में फेस्टिव सीजन की शुरूआत के बावजूद लंबे समय तक मॉनसून के कारण इस इंडस्ट्री में बिक्री पर असर देखा गया, जबकि अक्टूबर-नवंबर में त्योहारों के अवसर पर मांग काफी मजबूत रही। डिजिटल साधनों को सबसे ज्यादा अहमियत देने की वजह से जूनो को यह सफलता हासिल हुई है, जिसने इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स की डिलीवरी और उन्हें संभालने के तरीके के मायने को ही बदल दिया है। जूनो ने इंश्योरेंस को बेहद आसान बना दिया है, जिससे पॉलिसी जारी करने के साथ-साथ क्लेम और रिन्यूअल की प्रक्रिया पहले से अधिक तेज एवं सुलभ हो गई है। कंपनी इनोवेशन पर खास ध्यान दे रही है, और पे-एज़-यू-ड्राइव तथा पे-हाउ-यू-ड्राइव जैसे टेलीमैटिक्स-आधारित प्रोडक्ट्स की पेशकश के साथ इस दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रही है। फेस्टिव सीजन के दौरान पॉलिसी की बिक्री में दोहरे अंकों की बढ़ोतरी से यह जाहिर होता है कि ग्राहकों के बीच सहज एवं टेक्नोलॉजी पर आधारित इंश्योरेंस के विकल्पों की मांग बढ़ती जा रही है। इस मौके पर जूनो जनरल इंश्योरेंस के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर, श्री नितिन देव ने कहा, ₹इस फेस्टिव सीजन के आंकड़े बताते हैं कि हम इनोवेटिव और बेहद सुलभ इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराने के अपने संकल्प पर कायम हैं। बिक्री में 20% की बढ़ोतरी यह दशार्ती है कि हमारी पेशकशों पर ग्राहकों का भरोसा बढ़ा है, खासकर तब जब हम वाहनों की मांग, विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की मांग में तेजी से बदलाव देख रहे हैं। लोग बड़ी तेजी से ईवी को अपना रहे हैं, जिसे देखते हुए हम भी अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने वाले कस्टमाइज्ड इंश्योरेंस सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने पर खास ध्यान दे रहे हैं।

क्रिसमस पर ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल और एंजलएक्सप्रेस ने मिलकर बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक बिखेरी!

मुंबई। ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल एजुकेशन सर्विसेज (ओआईईएस) ने वंचित वर्ग के बच्चों की शिक्षा और उनके समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए एक दिल छू लेने वाली पहल की। ओआईईएस, जो दुनियाभर के विश्वविद्यालयों के साथ काम कर अंतरराष्ट्रीय छात्रों को जोड़ने में मदद करता है, ने एनजीओ एंजलएक्सप्रेस फाउंडेशन के साथ मिलकर मुंबई के चार इलाकों- मुलुंड, अंधेरी, कोलाबा और मलाड में 420 बच्चों को स्टेशनरी किट और पौष्टिक भोजन वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध कराना और उनके जीवन को बेहतर बनाने में योगदान देना था। ओआईईएस का मानना है कि हर बच्चे को समान अवसर और सुविधाएं मिलनी चाहिए, ताकि वे अपने सपने पूरे कर सकें। कार्यक्रम के दौरान, ओआईईएस की टीम ने बच्चों के साथ घुल-मिलकर समय बिताया। उन्होंने बच्चों को कहानियां सुनाईं, बातचीत की और बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को दी गई किट में उनकी पढ़ाई के लिए जरूरी सामान और पौष्टिक भोजन शामिल था। ये किट्स बच्चों की मौजूदा जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई थीं, ताकि उनकी शिक्षा और संपूर्ण विकास में मदद मिल सके। यह पहल ओआईईएस की उस व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसका मकसद वंचित समुदायों को सशक्त बनाना और समाज में समानता की भावना को बढ़ावा देना है। ओआईईएस के प्रयास एक बेहतर और समान अवसर वाले भविष्य की दिशा में प्रेरित करते हैं। ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल एजुकेशन सर्विसेज (ओआईईएस) के प्रबंध निदेशक श्री मोहित गंभीर ने इस पहल पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, क्रिसमस एक ऐसा समय है, जो नई उम्मीदों, खुशियों और एकजुटता का प्रतीक है। हम चाहते थे कि यह त्यौहार इन बच्चों के लिए खास बने।

चांदीवली की मुख्य सड़कों के काम को लेकर विधायक दिलीप लांडे ने अधिकारियों के साथ बैठक की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदिवली विधानसभा क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़कें अब चकाचक होंगी और इस काम के लिए स्थानीय विधायक दिलीप लांडे ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। इस समय देश में बड़े पैमाने पर यातायात के साधन बनाए जा रहे हैं और मुंबई में भी सभी सड़कें सीमेंट कंक्रीटीकरण द्वारा बनाई जा रही हैं। चांदीवली विधानसभा क्षेत्र में समय पर ऐसी सड़कें बनाने के लिए सड़क के उप मुख्य अभियंता संजय सोनावणे के कार्यालय पंतनगर, पूर्वी उपनगर, घाटकोपर (पूर्व) में शिवसेना विधायक दिलीप (मामा) लांडे के नेतृत्व में एक बैठक आयोजित की गई। सड़क उप मुख्य अभियंता के कार्यालय में हुई बैठक में चांदीवली विधानसभा की सभी अति महत्वपूर्ण सड़कों की सीमेंट कंक्रीटिंग को लेकर चर्चा हुई. इस चर्चा में एल विभाग के सहायक अभियंता जीवन राठौड़, सब इंजीनियर दीपक चौघुले, पालवे आदि के साथ संयुक्त बैठक हुई.। इस बैठक में विधायक दिलीप लांडे ने विभाग में सड़क के कार्यों को लेकर अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की। लांडे ने अधिकारियों से कहा कि विभाग की महत्वपूर्ण सड़कें डीपी 9, मोहिली गांव, सुंदर बाग और नाहर सहित कई स्थानों पर नारियल फोड़े गए हैं, लेकिन हकीकत में महीना गुजर गया।बैठक में दिलीप लांडे ने सड़क का काम शुरू नहीं होने पर नाराजगी जतायी. यह काम समय पर नहीं हो सका तो उपस्थित अधिकारियों को यह कह कर टरका दिया गया कि मेरे विभाग में नारियल न फोड़ें. इस पर अधिकारियों ने स्वीकार किया कि चुनाव व तकनीकी कारणों का हवाला देकर काम में देरी हुई है और विधायक दिलीप लांडे को जल्द से जल्द काम शुरू कराने का आश्वासन दिया, तो बैठक का सुर बदल गया, काम नहीं हुआ तो जनता के प्रति मैं भी जिम्मेदार हूं। मुझे शिकायतें मिलती हैं और मुझे उनका जवाब देना पड़ता है।. दिलीप लांडे ने कहा कि कई सवाल उठ रहे हैं. इस दौरान अधिकारियों ने लांडे को आश्वासन देते हुए उप मुख्य सड़क अभियंता संजय सोनावणे से कहा कि वे अगले कार्यकाल में सभी रुके हुए काम तेज गति से पूरा करेंगे. इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक वाजिद कुरेशी, शाखा प्रमुख सुशील जाधव सहित शिव सेना के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रजापति समाज मुंबई की बैठक संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज मुंबई कार्यकारणी की बैठक रविवार को शाम 3:00 बजे कुर्ला स्थित वीर भारत मंडल कार्यालय में आयोजित की गई। जिसमें होने वाले आगामी 26 जनवरी 2025 को वार्षिक उत्सव कार्यक्रम को लेकर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रजापति समाज मुंबई के अध्यक्ष प्रोफेसर राम जन्म प्रजापति ने सभी पदाधिकारियों से अपील किया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तन मन धन से अपना-अपना सहयोग प्रदान करें। बैठक में मुख्य रूप से रामजन्म प्रजापति, शरद प्रजापति, जयशंकर, धर्मराज, अखिलेश, धर्मवीर, हरिवंश, राम सुरेश, रविंदर सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

भिवंडी में तीन बंगलादेशी महिला गिरफ्तार

भिवंडी। बांग्लादेश में अमानवीय तरीके से बढ़ रहे अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार के बाद भारत में अवैध रूप से घुसपैठयों बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। गुरुवार को कोनगांव ईलाके में पुलिस ने तीन बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार कोन गांव के दुर्गा अपार्टमेंट और धर्मा निवास नामक इमारत में कुछ बांग्लादेशी नागरिकों के रहने की सूचना मिली थी। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शहनाज नजुल्ला शेख (36), सोनी फिरोज शेख (34), और रहीमा शाहीद खान (36) को गिरफ्तार किया। ये महिलाएं घरेलू कामकाज और मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर रही थीं। गिरफ्तार महिलाओं के पास भारत में वैध रहने के लिए कोई कानूनी दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस ने इन पर भारतीय सीमा में अवैध घुसपैठ और अनधिकृत रूप से निवास करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि भिवंडी शहर में पिछले 20 दिनों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 20 बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि भिवंडी के सार्वजनिक शौचालय, प्लंबिंग कार्य, और साइजिंग-डाईंग जैसे उद्योगों में बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर काम करते हैं, जिनमें कई बांग्लादेशी नागरिक होने की संभावना है। नागरिकों का यह भी कहना है कि इन बांग्लादेशी नागरिकों को किराए पर कमरे देने वाले और उन्हें भारत में वैध दस्तावेज उपलब्ध कराने में मदद करने वाले सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज का वार्षिकोत्सव नक्षत्र 2023-24 सम्पन्न

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। श्री नरसिंह के दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं रुग्णालय के विद्यार्थी परिषद द्वारा महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव नक्षत्र 2023 -24 दिनांक 28 दिसंबर 2024 को धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में एनआइए, मुंबई के डीआईजी डॉ. शैलेंद्र मिश्रा मुख्य अतिथि एवं सिने कलाकार अनुप उपाध्याय विशिष्ट अतिथि के रूप मे उपस्थित थे। डॉ शैलेंद्र मिश्रा ने विद्याथीर्यों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल डॉक्टर बनकर मत रुको,अच्छे डॉक्टर बनो,एवं अच्छे डॉक्टर बनकर भी मत रुको अपितु एक महान नागरिक भी बनो। उन्होने श्रोताओ के आत्मविश्वास, आत्मसन्मान और उद्देश्यपूर्तता की भावनाओ को बढाते हुए सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया ' वसई की आमदार एड. स्नेहा दुबे पंडित के पिताजी विवेक पंडित को स्ट्रोक आने की वजह से वो कार्यक्रम में काफी देर से पहुंचे, जिसके लिए उन्होंने खेद प्रकट किया ' वसई विधानसभा के चुनाव में हासिल जीत के लिये महाविद्यालय की तरफ से उनको सम्मानित किया गया। समारोह मे नृत्य,नाट्य, फॅशन शो जैसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ' इसमे छात्रों ने अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कीया. शैक्षणिक, क्रीडा एवं अन्य सह पाठ्यक्रम गतिविधियो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सन्मानित कर पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किये गये ' इसमे हर वर्ष दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार ₹स्टुडन्ट ऑफ द इयर₹ 2018 एवं 2019 बॅच को क्रमशः विनायक मोरे एवं अनुराग द्विवेदी को दिया गया ' साथ ही इस वर्ष का ₹राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार स्वयंसेवक सर्वेश गायकवाड को प्रदान किया गया ' कॉलेज की विशेषता एवं यादों को दर्शानें वाली स्मरणिका कृती- The world of NAMC 2023-24" का विमोचन भी किया गया ' इस कार्यक्रम मे संस्था के कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर दुबे, अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे, डायरेक्टर डॉक्टर ओमप्रकाश दुबे, संस्था की विश्वस्त प्रोफेसर डॉक्टर ऋजुता दुबे, प्राचार्या डॉक्टर हेमलता शेंडे, सभी अध्यापक, अध्यापकेतर कर्मचारी, पूर्व छात्र, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित थे ' कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर स्वाती भिंगारे और आभार प्रदर्शन जनरल सेक्रेटरी आकाश कदम द्वारा किया गया ' पश्चात स्वादिष्ट भोजन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

आम गरीब जनता के लिए संजीवनी साबित हो रही है पीएस. फाउंडेशन की एंबुलेंस

पीएस फाउंडेशन का जन सहकार्य हमेशा जारी रहेगा: प्रदीप शर्मा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कहने को तो मुंबई नगर, उपनगर और थाने में सैकड़ों सामाजिक संस्था और फाउंडेशन हैं किंतु इनमें से कुछ ही संस्थाएं हैं जो कि आम गरीब जनता के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य कर रही है। उन्हीं में से एक है पीएस फाउंडेशन । बता दें कि पीएस फाउंडेशन पिछले कई सालों से अंधेरी पूर्व विधानसभा की झोपड़पट्टियों में आम गरीब जनता की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एंबुलेंस सुविधा मुहैया करा रही है हैं। गरीबों के लिए एंबुलेंस की सुविधा संजीवनी साबित हो रही है। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने बताया कि अंधेरी पूर्व विधानसभा के अलावा अन्य लोगों की हर संभव मदत निरंतर की जा रही है और आगे भी यह अभियान एक संकल्प के साथ चलता रहेगा। इस बारे में लोगों से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि हम सब स्वीकृति प्रदीप शर्मा के जीवन भर आभारी रहेंगे। कि भले ही उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा परंतु उनके द्वारा बड़े पैमाने पर चलाई जा रही एम्बुलेंस पहले के ही जैसे अपने समय पर हर स्थान पर पहुंच कर आम लोगों को दवा मुहैया करा रही है।

तारापुर औद्योगिक क्षेत्र की यू के ऑर्मेटिक केमिकल्स कंपनी में लगी भीषण आग

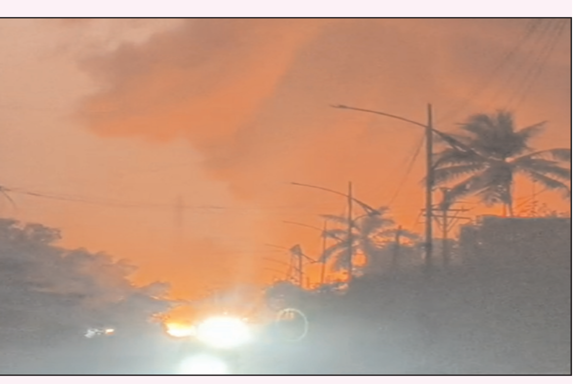

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले तारापुर औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत स्थित यू के ऑर्मेटिक केमिकल्स नामक कंपनी प्लॉट नं. के 6/3 में भीषण आग लग जाने की वजह से आस पास की कंपनियों में अफरा तफरी मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पालघर जिले के तारापुर औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत स्थित ऑर्मेटिक केमिकल्स नामक केमिकल कंपनी प्लॉट नं. के 6/3 में शाम करीब साढ़े पांच बजे भीषण आग लग गई। इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को मिलते ही कई अग्निशमन की गाड़ियां मौके पर पहुंची और अग्निशमन दल के जवानों ने आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गए। लेकिन आग को बेकाबू होते देख पालघर, दहानू, बीएआरसी आदि से भी अग्निशमन की गाड़ियां बुलानी पड़ी।फिलहाल समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका था और आग लगने के सही कारणों का भी पता नहीं चल पाया था।

वहीं किसी भी जनहानि होने की भी जानकारी नहीं मिली है। आग लगने की जानकारी मिलते ही बोईसर पुलिस थाना प्रभारी शिरीष पवार भी अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर राहत व बचाव कार्य में जुट गए। वहीं पालघर जिले के पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील भी मौके पर पहुंच स्थिति के बारे में जानकारी ली। इस दौरान पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील ने आस-पास की दो अन्य कंपनियों में आग की चपेट में आने की जानकारी देते हुए आग फैलने की संभावना के मद्देनजर सभी को एलर्ट रहने की अपील की। वहीं अग्निशमन दल के अधिकारी एवं कर्मचारी आग बुझाने की पूरी कोशिश में लगे रहे।

मानस महाकुंभ का नालासोपारा में दिव्य आयोजन

प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा(उत्तरशक्ति)। आओ गायें रामकथा घर घर में. इस आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता,मानस के सिद्ध साधक और कथा व्यवहार घाट के ओजस्वी प्रवक्ता क्रांतिकारी संत पूज्यश्री प्रेमभूषण जी महाराज के पावन व्यासत्व में हम रामजी के रामजी हमारे हैं सेवा ट्रस्ट, मुम्बई शाखा द्वारा नौ दिवसीय मानस महाकुंभ का दिव्य आयोजन होने जा रहा है। इस मानस महाकुंभ के संयोजक बिजेंद्र रामचंद्र सिंह और मुख्य मुख्य यजमान श्रीमती मीरा बिजेंद्र सिंह हैं। हम रामजी के रामजी हमारे हैं ट्रस्ट के मुम्बई प्रधान गणेश अग्रवाल ने बताया कि यह नौ दिवसीय मानस महाकुंभ 31 दिसंबर से 8 जनवरी 2025 तक नित्य सांय 4 से 7 बजे तक चलेगा जो हम सभी भक्तों के लिए पुण्यवर्धन का उत्तम सुयोग होगा।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष और इस मानस महाकुंभ के संयोजक बिजेंद्र सिंह ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेश एस. सिंह, सचिव अविनाश मिश्रा सहसचिव दिनेशप्रताप सिंह, वरिष्ठ पत्रकार व प्रचार मंत्री लालशेखर सिंह के साथ प्रभात सिंह (बब्लू),राजेश पाण्डे, सतीश सिंह, अवनीश सिंह, आर. डी. सिंह,त्रिभुवन पाण्डे,सनी सिंह,प्रिंस सिंह आदि समाज सेवक भी अपने सहयोगी मित्रों के साथ इस दिव्य एवं भव्य मानस महाकुंभ आयोजन को सफल बनाने में लगे हुए हैं।यह जानकारी पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के मीडिया प्रभारी दिनेशप्रताप सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दिया।

स्टार स्पोर्ट्स द्वारा के.बी.डी जूनियर कबड्डी में एन.के.ई.एस हाई स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। आर्य पुजारी की कप्तानी में वडाला स्थित एन.के.ई.एस स्कूल के 12 वर्ष से कम आयु के कक्षा 5 और कक्षा 6 के उत्साही और प्रतिभाशाली स्कूली छात्रों की एक टीम ने युवा एथलीटों के लिए प्रसिद्ध केबीडी जूनियर कबड्डी में भाग लिया। प्रतियोगिता में उनकी रणनीतिक सोच, शारीरिक चपलता और टीमवर्क कौशल का परीक्षण किया गया। छात्रों ने पूरे टूर्नामेंट में उल्लेखनीय कौशल का प्रदर्शन किया, प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में आगे बढ़कर अपने स्कूल को गौरवान्वित किया।

एन.के.ई.एस स्कूल के छात्रों ने जी.डी सोमानी स्कूल कफ परेड में मुंबई स्तर पर प्रतिस्पर्धा करके अपनी यात्रा शुरू की। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का फल उन्हें मिला और वे पहले स्तर पर विजयी हुए तथा अगले दौर के मैचों के लिए चयनित किया। मुंबई स्तर पर उनकी सफलता उनके दृढ़ संकल्प और तैयारी का प्रमाण थी, क्योंकि उन्होंने प्रतियोगिता में कई मजबूत टीमों को पीछे छोड़ दिया।

मुंबई स्तर पर जीत हासिल करने के बाद, एन.के.ई.एस स्कूल की टीम पुणे में दूसरे स्तर के लिए आगे बढ़ी। प्रतियोगिता के पुणे चरण में पूरे क्षेत्र की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमें एक साथ आईं। छात्रों ने अपने प्रशिक्षक जयेश शिगवन के प्रशिक्षण में असाधारण खेल भावना और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया, चुनौतीपूर्ण मैचों में सफलतापूर्वक आगे बढ़े। पुणे में उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा, इन छात्रों ने पुणे में ट्रॉफी जीतकर और राष्ट्रीय स्तर के लिए क्वालीफाई करके अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा पुणे में एन.के.ई.एस के छात्र सेमीफाइनल में पहुंचे, जो उनके के.बी.डी जूनियर के सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। हालांकि वे फाइनल में जगह नहीं बना पाए, लेकिन उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा को देखते हुए सेमीफाइनल में पहुंचना एक उल्लेखनीय उपलब्धि थी। पूरे टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन ने उनकी क्षमता, टीम वर्क और दबाव में पनपने की क्षमता को उजागर किया। केबीडी जूनियर कबड्डी में एन.के.ई.एस हाई स्कूल के छात्रों की भागीदारी एक उत्कृष्ट उपलब्धि थी। मुंबई स्तर पर जीत से लेकर पुणे में सेमीफाइनल तक पहुंचने तक, टीम ने शानदार कौशल, दृढ़ता और समर्पण का प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट में उनकी यात्रा न केवल उनकी एथलेटिक क्षमताओं को दशार्ती है, बल्कि अन्य छात्रों के लिए पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता हासिल करने की प्रेरणा भी देती है। इसके अलावा उनके मैचों का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर किया गया, जिससे छात्रों के साथ-साथ इस मैच का सीधा प्रसारण अभिभावक तथा पूरे भारत में स्टार स्पोर्ट्स चैनल पर देखा गया इस उपलब्धि के छात्रों में भी काफी उत्साह देखने को मिला। प्राप्त अनुभव निस्संदेह उनके व्यक्तिगत विकास में योगदान देगा और भविष्य में इसी तरह के आयोजनों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

फार्मर रजिस्ट्री में उत्कृष्ट कार्य करने वाले आपरेटरों को जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

◆ एक लाख से अधिक किसानों की हो चुकी है फार्मर रजिस्ट्री
◆ फार्मर रजिस्ट्री से अन्य योजनाएं होगी सुविधा जनक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एग्री स्टैक योजनान्तर्गत कराए जा रहे किसान कार्ड (फार्मर रजिस्ट्री) में जनपद के उत्कृष्ट कार्य करने वाले आपरेटरों को सम्मानित किया गया उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में शामिल इंद्रेश कुमार वर्मा, शिव दयाल रघुवंशी, जय प्रकाश, आकाश गुप्ता, स्वपनिल मौर्य, देवेन्द्र, पंकज, विवेक सिंह, स्वामीनाथ, सूर्यदीप सिंह, संघर्ष कुमार, विद्यासागर यादव, मौसिम अली, मतीन अहमद, सुधीर सिंह, अजय बहादुर, आशीष कुमार, बृजेश गुप्ता, प्रमेश कुमार को जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र द्वारा अंगवस्त्रम एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि आगे भी सर्वाधिक फार्मर रजिस्ट्री करने वाले आपरेटरों को अंगवस्त्रम एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा तथा उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। एग्री स्टैक में लगी टीम द्वारा पूर्ण मनोयोग से कार्य करने से जनपद की प्रदेश में अब छठवीं रैंक है। सर्वाधिक फार्मर रजिस्ट्रेशन में जनपद प्रदेश में प्रथम स्थान पर है तथा जनपद में अब तक एक लाख से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का

कार्य हो चुका है। जिसके लिए, प्रदेश से बधाई मिल रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि किसान सम्मान निधि योजना के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य कर दिया गया है, इसलिए किसानों को अगली किस्त प्राप्त करने हेतु अतिशीघ्र गाँवो में लगने वाले शिविरों में या नजदीकी सीएससी सेंटर अथवा स्वयं भी एप द्वारा अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते है। उन्होंने कहा कि किसान को किसी भी तरह का ऋण लेने के लिए बार-बार राजस्व रिकॉर्ड देना पड़ता है किसान रजिस्ट्री होने पर उसके नंबर को संबंधित ऐप पर डालकर उसकी पूर्ण विवरण देखा जा सकेगा इससे किसान कल्याण की योजनाएं बनाने तथा उनके क्रियान्वयन में आसानी होगी। साथ ही लाभार्थियों के सत्यापन,कृषि उत्पादन के विपणन और अन्य विपणन संबंधी मामलों में सहूलियत होगी। पीएम किसान सम्मान निधि भुगतान, फसली ऋण के लिए,किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा, आपदा के दौरान किसानों को क्षतिपूर्ति देने के लिए किसानों का चयन करने आदि में आसानी होगी। इस मौके पर उप जिलाधिकारी सदर पवन कुमार सिंह, एसडीएम केराकत सुनील कुमार भारती, उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय, तहसीलदार महेंद्र सिंह, उप परियोजना निदेशक आत्मा/जनपद स्तरीय मास्टर ट्रेनर रमेश चंद्र यादव, जिला प्रबन्धक सीएससी अनुराग सिंह सहित अन्य अधिकारीगण कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कैमरा लगाने को लेकर कर्मचारियों के विरोध पर उठे सवाल, पारदर्शिता से क्यों भाग रहे हैं कर्मचारी

70 से अधिक कर्मचारियों ने कुलपति को दिया ज्ञापन, कैमरा लगाने से बढ़ेगी कार्यालय की पारदर्शिता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के कार्यालयो में कैमरा लगाने को लेकर कर्मचारियों ने विरोध कर दिया और इस बारे में 70 से अधिक कर्मचारियों ने कुलपति को ज्ञापन देकर कैमरे को निजता का उल्लंघन बताया है। जिस पर सवाल भी उठने लगे हैं कि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को पारदर्शिता से नहीं भागना चाहिए। बता दें कि विश्वविद्यालय परिसर में क्लास रूम से लेकर तमाम भवनो मार्गो पेड़ो पर भी कैमरा की स्थापना की जा रही है। जिसमें करीब 800 से अधिक कैमरे लगाए जा चुके हैं। इस दौरान प्रशासनिक भवन के लगभग सभी विभागों व कार्यालयो में कैमरे लगाने के लिए कुलपति प्रो वंदना सिंह ने निर्देश दिया। जिसका कर्मचारियों ने निजता का उल्लंघन बताते हुए कैमरा लगाने का विरोध कर दिया और इस संबंध में 70 से अधिक कर्मचारियों ने कुलपति को ज्ञापन देकर कैमरा न लगाने की मांग की। कर्मचारियों के इस विरोध को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां एक और कुलपति प्रो वंदना सिंह भय मुक्त परिसर वातावरण भ्रष्टाचार का निवारण ,अपराध पर अंकुश लगाने, किसी छात्र का शोषण न हो, अपराधिक गतिविधियां संचालित ना हो, अनुशासन बना रहे। इसका हवाला देते हुए परिसर में कैमरा सैकड़ो की संख्या में लगाए गए। जब प्रशासनिक भवन के तमाम विभागों का कार्यालयो में कैमरा लगाने के लिए तैयारी शुरू हुई तो कर्मचारियों ने विरोध किया। कर्मचारियों का कहना है कि सीसीटीवी कैमरे लगाना भारतीय संविधान अनुच्छेद- 21 के तहत दिए गए निजता के अधिकार का उल्लंघन है। इसमें कर्मचारियों की भी सहमति लेना आवश्यक था। कर्मचारियों की इस विरोध से अधिकारियों शिक्षकों ने भी सवाल खड़े कर दिए हैं कि अगर कर्मचारियों का काम साफ सुथरा अनुशासनिक है और समय से वह आते जाते हैं तो कैमरा लगाने का विरोध नहीं होना चाहिए। यह विरोध उनकी दोहरी मानसिकता को झलकाता है।

कुलपति के इस कदम से कार्यालय मे पारदर्शिता का माहौल बनेगा। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि कर्मचारियों पर भरोसा करना चाहिए। जबकि कुलपति विश्वविद्यालय के वातावरण को पारदर्शी बनाना चाहती हैं जिससे कहीं किसी प्रकार की शिकायत ना मिले। कर्मचारियों को विरोध को लेकर भी लोगों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। जब कर्मचारी साफ सुथरा काम करते हैं तो उनको इसका विरोध नहीं करना चाहिए। कुलपति ने सभी कार्यालय विभागों में कैमरा लगाने का जोर दिया है।

सायमा खान की स्मृति में जरूरतमंदों को रजाई वितरित

सर्दी से बचाव हेतु लायन्स क्लब जौनपुर मेन ने जरूरतमंदों को किया रजाई वितरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायन्स क्लब जौनपुर मेन द्वारा स्वर्गीय सायमा खान की स्मृति में जरूरतमंद और बेसहारा लोगो को कड़ाके की ठंड से राहत पहुंचाते हुए रजाई वितरित किया गया। भंडारी रेलवे स्टेशन के निकट शकील अहमद के कैम्प कार्यालय पर आयोजित रजाई वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जीएटी एरिया लीडर डा क्षितिज शर्मा व पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद दिनेश टंडन व लायन्स सदस्यों ने अपने हाथो से लगभग 150 जरूरतमंद लोगों को रजाई प्रदान किया गया। इस अवसर पर डा क्षितिज शर्मा ने कहा कि सायमा खान की स्मृति में बढ़ती ठंड से लोगों को बचाने व राहत पहुँचाते हुए जरूरतमंदों के चेहरों पर खुशियां लाने का एक बेहतर प्रयास है। इस तरह के कार्य में भागीदारी निभाने से मन को शांति मिलती है। दिनेश टंडन ने लायन्स क्लब जौनपुर मेन की सराहना करते हुए कहा कि दीन दुःखियों की सेवा करना ही सबसे

पुण्य का काम है। ठंड से राहत दिलाने में रजाई बहुत सहायक होगी। संस्थाध्यक्ष संजय केडिया ने लोगों का स्वागत करते हुए बताया कि विभिन्न क्षेत्रों से गरीब, बेसहारा व जरूरतमंद लोगो को चिन्हित कर उन्हें रजाई प्रदान की जा रही है। इधर कंबल मिलने के बाद लाभुक काफी खुश दिखे उन्होंने कहा इससे इन्हे काफी राहत महसूस हो रही हैं। कम्बल पाकर लोगों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। संयोजक शकील अहमद ने लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर टीबी मुक्त भारत अभियान के मण्डल चेयरमैन से मो मुस्तफा, कोषाध्यक्ष राम कुमार साहू, डा.मदन मोहन वर्मा, राकेश श्रीवास्तव, सोमेश्वर केसरवानी, परमजीत सिंह, लखन श्रीवास्तव, मदन गोपाल गुप्ता, नीलू सेठ, अरूण त्रिपाठी, राहुल सिंह आदि उपस्थित रहे।

बनारस के लाल ने प्रतापगढ़ में किया कमाल

स्कॉर्पियो में आग लगने के बाद जान पर खेलकर दो लोगों की बचाई जिंदगी

◆ वाराणसी के चोलापुर क्षेत्र के (गोसाईपुर) मोहाव का सिपाही है दिलीप यादव

डॉ.एस.के.मिश्र

प्रतापगढ़(उत्तरशक्ति)। जनपद में डिवाइडर से टकराकर स्कॉर्पियो ट्रांसफार्मर में घुस गई। जिससे उसमें आग लग गई और एक युवक की मौत हो गई। स्कॉर्पियो के अंदर फंसे दो लोगों को रात में ड्यूटी पर तैनात दो सिपाही ने अपनी जान पर खेलकर दोनों युवक को कांच तोड़कर बाहर निकाला। सिपाही की बहादुरी को की चर्चा इलाके में हर तरफ हो रही है। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अनिल कुमार

सिपाही दिलीप यादव पुत्र राजकुमार यादव को सम्मानित करेंगे। प्रतापगढ़ जिले के देल्हूपुर थाने पर तैनात सिपाही दिलीप यादव वाराणसी जनपद के चोलापुर थाना क्षेत्र के गोसाईपुर मोहाव गांव का निवासी है। सिपाही की इस बहादुरी से दो लोगों की जिंदगी बच गई जिसकी चर्चा इलाके में जोरों पर है।

उ.प्र. उद्योग व्यापार मंडल ने मेधावियों का किया सम्मान

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की गौराबादशाहपुर इकाई ने रविवार को कस्बा स्थित दया मैरिज हाल में प्रतिभा

सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसमें इलाके के विभिन्न स्कूलों के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के 35 मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया। अतिथियों ने मेधावियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र और एक गिफ्ट पैक देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदू ने कहा कि शिक्षा की बदौलत ही सफलता की मंजिल पायी जा सकती है। समारोह को विशिष्ट अतिथि जिला महामंत्री आरिफ हबीब खान, जिला संगठन मंत्री अब्दुल हक अंसारी, नगर अध्यक्ष जौनपुर घनश्याम साहू, विवेकानंद राय अन्य ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर के किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। अध्यक्षता मौलाना मुमताज अहमद कासमी तथा संचालन धनंजय राय अर्जुन ने किया। संयोजक व्यापार मंडल अध्यक्ष लल्लन प्रताप सिंह व महामंत्री मुहम्मद इकराम अंसारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर चेयरमैन प्रतिनिधि दिनेश सोनकर, मोहम्मद इस्लाम अंसारी, वीरेंद्र गुप्त, सुजीत जायसवाल, तारा त्रिपाठी, दिनेश कुमार डीके, कलीमुल्लाह अंसारी, अमीक अंसारी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट मौन धारण कर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गयी।

सरायख्वाजा पुलिस ने फिरौती व हत्या के मुकदमा में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस कप्तान जौनपुर, डा0 कौस्तुभ के निर्देशन में वांछित व वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 369/2024 धारा 137(2) बी.एन.एस. तरमीमी धारा-103(1),61(2), 140(2) में साक्ष्य संकलन एवं सुसंगत मोबाइल नम्बरों के सीडीआर के अवलोकन व सर्विलांस सेल के सहयोग से की गयी तफ्तीश से यह तथ्य प्रकाश में आया कि मृतक आदर्श सिंह राजपूत के

पिता अरुणेन्द्र सिंह से फिरौती हेतु रकम दिये जाने हेतु जिस मो0नं0 7696169749 का प्रयोग कर दिनांक 30/09/2024 को मैसेज भेजा गया था उस सिम को रवि प्रजापति पुत्र त्रिभुवन प्रजापति निवासी ग्राम मल्हनी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर मो0नं0 6359978074 तथा उसके दोस्तो द्वारा मुम्बई में दिनांक 29/09/2024 को तिलक नगर टर्मिनल ब्रिज के नीचे बैठकर गांजा पी रहे अरविन्द कुमार चौहान पुत्र मेवालाल चौहान ग्राम मथुरा पोस्ट लल्हीं थाना खैरीघाट जनपद बहराइच से सिम रिचार्ज कराने के बहाने सिम ले लिया गया था इसी दौरान वहाँ पुलिस के आ जाने पर वो लोग सिम लेकर वहाँ से भाग गये थे। उक्त लोगों द्वारा दिनांक 30/09/2024 को श्री कम्पनी का मोबाइल खरीदा गया था तथा अरविन्द चौहान से छीना हुआ सिम रिचार्ज कराकर उक्त मोबाइल में लगाकर आदर्श सिंह राजपूत के पिता के मोबाइल पर आदर्श सिंह राजपूत को मुक्त करने के बदले फिरौती की रकम के लिये मैसेज किया गया था और फिरौती की रकम न मिलने के कारण साजिश कर आदर्श सिंह की हत्या करने के लिये उसे नहर में डलवा दिया गया। तमामी विवेचना से अभियोग उपरोक्त की घटना कारित करने में अभियुक्त 1. रवि प्रजापति पुत्र त्रिभुवन प्रजापति निवासी ग्राम मल्हनी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर के संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य पाये गए हैं। अतः अभियोग उपरोक्त में अभियुक्त 1. रवि प्रजापति पुत्र त्रिभुवन प्रजापति निवासी ग्राम मल्हनी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर नाम प्रकाश में लाया गया है तथा अभियुक्त रवि प्रजापति उपरोक्त को दिनांक 28/12/024 प्रभारी निरीक्षक मय हमराह के ग्राम भैंसनी पेट्रोल पम्प के पास से गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही कर अभियुक्त उपरोक्त को न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट, 16 घायल

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के सरोखनपुर भटौली गांव में पुरानी रंजिश को

लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। जिसमें एक किशोरी सहित 16 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार हेतु बदलापुर समुदाय स्वास्थ्य केंद्र में भेजा गया। जिसमें सात घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं घटना की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस जांच पड़ताल करते हुए अन्य विधि कार्रवाई में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक पुरानी रंजिश का कारण प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है। रविवार को दोनों पक्षों के परिजनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी के दौरान जमकर मारपीट हो गई। जिसमें दोनों पक्षों से कुल 16 लोग घायल हो गए। घायलों में राजेश प्रसाद शर्मा(50), अनिल शर्मा (45), सुशील शर्मा (43), दिब्या शर्मा (20), उमादत्त शर्मा(80) विकास शर्मा (22), संजय शर्मा (31), विशाल शर्मा (18), आरती शर्मा (40), विनय शर्मा (18), बेला देवी (65), राबिन शर्मा (25), रिया शर्मा (16) घायल हुई। फिलहाल इस संबंध में पूछे जाने पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक गजानंद चौबे द्वारा बताया गया कि दोनों पक्षों की लिखित तहरीर के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शाहगंज पुलिस ने शातिर अभियुक्त को गांजा के साथ किया गिरफ्तार

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डॉ0 कौस्तुभ पुलिस कप्तान जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु के विरुद्ध चलाए जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज जौनपुर अजीत सिंह चौहान के पर्वेक्षण में शाहगंज पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान शातिर

अभियुक्त विष्णु ताड़माली पुत्र राधेश्याम ताड़माली निवासी हचपुरा थाना जलालपुर जनपद अम्बेडकर नगर को नाजायज गांजा के साथ मलमल पुलिया के पास से आज दिनांक 29.12.2024 को समय 14:36 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 438/ 2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कोतवाली पुलिस ने फेक आईडी बनाकर फोटो वायरल व छेड़खानी करने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ, पुलिस कप्तान जनपद जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर

पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 532/2024 धारा 78,319(2),318(4), 352/351(3) बीएनएस, 67 आईटी0 एक्ट व 7/8 पाक्सो एक्ट से वांछित अभियुक्त आयुष कुमार गौतम पुत्र अनिल कुमार निवासी तारापुर कालोनी थाना कोतवाली जौनपुर उम्र करीब 20 वर्ष को मुखबीर खास की सूचना पर पालिटेक्निक चौराहे से आज समय 13.50 बजे गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त। आयुष कुमार गौतम पुत्र अनिल कुमार निवासी तारापुर कालोनी थाना कोतवाली जौनपुर।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट, पांच घायल

धर्मेंद्र कुमार शर्मा, बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के मसनपुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर शनिवार की देर शाम दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। जिसमें तीन महिला समेत कुल पांच लोग घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदलापुर में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने तीन महिला व एक पुरुष जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। वही इस संबंध में पूछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक गजानंद चौबे द्वारा बताया गया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

वाराणसी कमिश्नरेट के 10 मंजिला TWIN TOWER को मंजूरी

तीन साल से पाइपलाइन में था प्रोजेक्ट, दो साल में पूरा करने का टारगेट

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी में विकास भवन के सामने मौजूद मंडलीय कार्यालय की नई दस मंजिला बिल्डिंग को योगी सरकार की व्यय वित्त समिति ने हरी झंडी दे दी है। 10 मंजिला ट्विन टॉवर के निर्माण का कार्य वर्ष 2025 में शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बहुप्रतीक्षित

ट्विन टॉवर की आधारशिला रख सकते हैं। चार जिलों के से लोग आते हैं वाराणसी मंडल से चंदौली,गाजीपुर,जौनपुर और वाराणसी जिला जुड़ा है। हजारों की संख्या में प्रतिदिन लोग वाराणसी आते हैं। आबकारी, उद्योग समेत अन्य मंडलीय कार्यालय शहर के अलग अलग स्थानों पर हैं। इसके चलते मंडलीय विभागों में जाने के लिए अलग अलग स्थानों पर की भागदौड़ पब्लिक को करनी पड़ रही थी। वाराणसी में कमिश्नर रहे दीपक अग्रवाल ने वर्ष 2021 में मंडलीय कार्यालय के लिए प्रस्ताव तैयार कराया और शासन में मंजूरी को भेजा। योगी सरकार ने इस प्रोजेक्ट को पूरा करने की जिम्मेदारी वाराणसी विकास प्राधिकरण को सौंपी। वीडीए ने 10 मंजिला ट्विन टॉवर बिल्डिंग का डिजाइन तैयार करने के बाद इसे शासन में वित्तीय मंजूरी के लिए भेजा था। वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने बताया कि एकीकृत मंडलीय कार्यालय के निर्माण को शासन की व्यय वित्त समिति ने अनुमोदन हासिल हो गया है। ये होगी खासियत एकीकृत मंडलीय कार्यालय यानि नए ट्विन टॉवर में दो बेसमेंट,कोर्ट,अधिवक्ता चैंबर, मंडल से 59 ऑफिस,कांफ्रेंस हाल,सभी फ्लोर पर एक कॉमन मीटिंग रूम, नेशनल बैंक की ब्रांच,कैफेटेरिया समेत अन्य संसाधन उपलब्ध होंगी।

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक सभा कर दी गई श्रद्धांजलि

जब तक सूरज चाँद रहेगा, मनमोहन सिंह आपका नाम रहेगा: डा.सन्तोष कुमार गिरि

गुड़िया राज

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत नगर के बस स्टैंड के समीप नया चौराहा पर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर आज पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के लिए एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य डाक्टर संतोष कुमार गिरि ने उपस्थित लोगों को जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री

डाक्टर मनमोहन सिंह 2004 से लेकर 2014 तक दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे।

इससे पहले 1991 में पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने देश में उदारवादी आर्थिक सुधार लागू किए। जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई मिली। और साल 1954 में पंजाब विवि से अर्थशास्त्र में एम करने के बाद कैम्ब्रिज से प्रथम श्रेणी से अर्थशास्त्र (आनर्स) कर उन्होंने 1962 में आक्सफोर्ड से डिफिल किया। और 1971 में भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार, 1972 में वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे। और 1980 से 82 तक योजना आयोग के सदस्य बने। 1982 से 1985 तक रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे और साल 1985 में योजना आयोग के उपाध्यक्ष बने। इतना ही नहीं और वह 1990 में प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार नियुक्त हुए। वह दिल्ली विश्वविद्यालय में भी प्रोफेसर रहे। इस अवसर पर शोक सभा में डोभी ब्लाक अध्यक्ष सुभाष चंद सिंह, सुशील सोनकर, खुर्शीद खान, दीपक साहू, तबरेज खान, नन्हें सोनकर, आशीष यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

बीएचयू की छात्रा इंद्राणी मुर्मू बनीं संथाली जनजाति से शोध करने वाली पहली महिला, बधाइयों का लगा ताता

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के काशी हिंदू विश्वविद्यालय में विभिन्न जाति धर्म संप्रदाय देश विदेश के विद्यार्थी पढ़ने के लिए आते हैं। इस विश्वविद्यालय में अमीर गरीब मध्यम वर्ग की सभी वर्ग के छात्राएं पढ़ने के लिए आते हैं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय एशिया का सबसे बड़ा आवासीय विद्यालय है। यहां पर गरीब और निम्न तबके के विद्यार्थी पठन-पाठन करके देश के साथ ही विदेश राज्य परिवार और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने का काम करते हैं। कुछ ऐसा ही काशी हिंदू विश्वविद्यालय के बंगला विभाग की एक छात्रा ने कर दिखाया है। यह छात्रा झारखंड के बहुत ही पिछड़े जनजाति से बिलॉन्ग करती है। जो अपनी जनजाति से शोध कार्य करने वाली पहली महिला बनी है। वह विद्यार्थी झारखंड के संथाली जनजाति से बिलॉन्ग करती है। बता दें कि संथाल भारत का मुंडा जातीय समूह की एक प्रमुख जनजाति है। वे मुख्य रूप से भारतीय राज्यों झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार और असम में रहते हैं। यह अल्पसंख्यक में नेपाल और बांग्लादेश में भी पाये जाते हैं। ये मूल रूप से संथाली भाषा बोलते हैं। इन लोगों के समूह में शिक्षा का बहुत ही अभाव होता है। लोग पढ़ाई लिखाई करने के लिए काफी दूर तक यात्रा करना होता है जिसके कारण ज्यादातर लोग कम पढ़े लिखे होते हैं। ऐसे में बीएचयू बांग्ला विभाग में संथाली जनजाति से निकलकर शोध कार्य करने वाली प्रथम छात्रा इंद्राणी मुर्मू है।

शोध कार्य के साथ ही यह छात्रा काफी खुश है और इसका श्रेय अपने गुरुजनों और परिजनों को देना चाहती है। शोध कार्य कराने वाले प्रोफेसर प्रकाश कुमार माहती भी काफी खुश और प्रसन्न नज़र आ रहे हैं और इस छात्रा के शोध कार्य पूर्ण होने के साथ ही छात्रा को बधाई और शुभकामनाएं दिया है। उन्होंने कहा कि शोध कार्य करने के साथ ही छात्रा अपने जनजाति के लोगों को शिक्षित करेगी और और एक प्रेरणा स्रोत बनेगी।

महाराजगंज नहर में मिला अज्ञात महिला की शव

अनुभव सिंह, महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर शारदा सहायक खंड 36 नहर में बहती हुयी क्षत विक्षत महिला की शव मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचकर पुलिस शव को कब्जे में लिया। इस घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त है। थाना क्षेत्र इब्राहिमपुर गांव में नहर के पास गुजर रहे राहगीर ने नहर में तैरती लाश देखी। पास जाकर देखा तो लाश एक महिला की थी जो पूरी तरह निर्वस्त्र थी, लाश से दुर्गंध उठ रही थी। ग्रामीणों ने लाश मिलने की सूचना स्थानीय थाने पर दी। मौके पर थानाध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। बताया यह लगभग 8-10 दिन पुरानी महिला लाश है यह कहीं से बहकर आई है। उसकी उम्र लगभग 35 से

35 वर्ष बताई जा रही है। ऐसे में शव को नहर से बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हालांकि अभी तक कोई शिनाख्त नहीं हो पाई है।

मधुमक्खियों के हमले से युवती समेत 11 घायल

चित्रकूट (उत्तरशक्ति)। रैपुरा थाना क्षेत्र के इटवा गांव के भैरोबांध पुरवा में मधुमक्खियों के हमले से युवती समेत 11 ग्रामीण घायल हो गये। इसमें तीन की हालत गंभीर है। रविवार को भैरोबांध पुरवा निवासी खुशबूदेवी (18) ने बताया कि वह खेत की ओर जा रही थी। पेड़ के पास पहुंचते ही मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। भागी तो पूरे शरीर में मधुमक्खियां लिपट गईं। शोर मचाने पर गांव के कई लोग बचाने पहुंचे तो मधुमक्खियों ने उनपर भी हमला कर दिया। इससे अफरातफरी मच गई। कई लोग मधुमक्खियों के डंक से तो कई लोग गिरने से घायल हुए। सूचना पर यूपी 112 की टीम भी पहुंची। घायल खुशबू, चुन्नीलाल, सुरेश, चुनकावन, गोरेलाल, विष्णु प्रसाद, हरीप्रसाद, रामनारायण, राजेश, अंकुर व श्यामलाल को सीएचसी लाया गया। खुशबू, चुन्नीलाल व सुरेश को छोड़कर अन्य मामूली रूप से घायल थे। सीएचसी के डॉ. देवमणि ने बताया कि तीन को अस्पताल में भर्ती किया गया है। तीनों की हालत खतरे से बाहर है।

आर्थिक तंगी के बाद उठाया खौफनाक कदम

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। सारनाथ के सरायमोहना चौकी अंतर्गत कोटवा में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। रविवार की सुबह पड़ोसियों ने युवक को नीम के पेड़ से लटकते हुए देखा। इस घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के मामा मनोज ने बताया कि भोलू गोंड (18) विद्याबिहार इंटर कॉलेज में इंटर का छात्र था। इसके साथ ही वह मजदूरी का कार्य करता था। मामा के अनुसार, घर में आर्थिक तंगी से भोलू परेशान रहा करता था। इसकी वजह से वह स्कूल भी कम ही जाया करता था। बीती रात को भोलू घर से निकला, लेकिन वापस नहीं आया। सुबह जब पड़ोसी टहल रहे थे, उसी समय घर के बगल में नीम के पेड़ से शव को लटकते हुए देखा। मृतक की माता निशा देवी की मौत पहले ही हो चुकी है, जिस कारण मृतक अपने दो बहनों के साथ अपने नाना रामप्रसाद के यहां रहता था। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। पिता महावीर घर से बाहर किसी आश्रम में रहते हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। तुलाचक गांव का विकास कुमार (22) ने अपने कच्चे घर में धरन के सहारे गमछे से फांसी लग लिया। किसी काम से जब उसकी मां दंगी देवी कमरें में गईं तो देखा कि विकास फंदे पर लटक रहा है। यह देखकर वह चिल्लाने लगी। आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। आननफानन में लोग उसे डॉक्टर के पास ले गए, जहां विकास को मृत घोषित कर दिया।

जफराबाद थानाक्षेत्र से पूर्व के लूट, नकबजनी, चोरी के अभियुक्तो को किया गिरफ्तार

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जफराबाद पुलिस द्वारा थानाक्षेत्र के पूर्व के लूट, नकबजनी, चोरी के अभियुक्तो के विरूद्ध निवारक कार्यवाही। डा0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। विशेष अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक(नगर) के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर के पर्यवेक्षण मे प्रभारी निरीक्षक के अ0नि0संजय कुमार सिंह,मय पुलिस टीम द्वारा ठण्ड के मौसम मे बढ़ रही चोरी के घटना के दृष्टिगत अपराध के रोकथाम हेतु थाना क्षेत्र के पूर्व के लूट,नकबजनी,चोरी के अभियुक्तो को अन्तर्गत धारा 170 बीएनएसएस मे गिरफ्तार कर अभियुक्तों को निवारक कार्यवाई अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएस में चालान मा0न्यायालय किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण,अनिल निषाद पुत्र रामअवतार निषाद निवासी मोहिद्दीनपुर थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 35 वर्ष, राजेश निषाद पुत्र भुल्लन निवासी मोहिद्दीनपुर थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 58 वर्ष, सुखराम निषाद पुत्र राजेश निषाद निवासी मोहिद्दीनपुर थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 30 वर्ष, उमाशंकर चौधरी पुत्र कौडीराम निवासी कादीपुर पौना थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 42 वर्ष, दिनेश साहू पुत्र स्व0छोटेलाल निवासी हिसामपुर थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 32 वर्ष, ओमप्रकाश गौतम पुत्र स्व0रमाशंकर निवासी हिसामपुर थाना जफराबादजौनपुर उम्र करीब 26 वर्ष, सदानन्द पुत्र श्यामजी निवासी ठाकूरद्वारा किरतापुर थाना जफारबाद जौनपुर उम्र करीब 29 वर्ष, सुदीप पुत्र स्व0 रामबुझारत निवासी करमही थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 29 वर्ष, विरेन्द्र उर्फ पप्पू यादव पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी पौना थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 42 वर्ष, निर्भय पाठक पुत्र बाके लाल पाठक निवासी सुंगुलपुर थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 33 वर्ष, प्रवीण चौहान पुत्र परमहंस चौहान निवासी बैजाबाद थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 26 वर्ष, संजय गुप्ता उर्फ खिचडू पुत्र सुभाषचन्द गुप्ता निवासी सेवईनाला बाजार थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष, मुनील कुमार यादव पुत्र रामबली यादव निवासी नाथूपुर थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 36 वर्ष, राजेश गुप्ता पुत्र इमरती लाल निवासी माधवपट्टी थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 40 वर्ष, प्रवेश गुप्ता पुत्र इमरती लाल निवासी माधवपट्टी थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 35 वर्ष, फैयाज अली पुत्र समसुद्दीन निवासी कजगांव माधवपट्टी थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष, विश्वजीत यादव पुत्र पतिराम यादव निवासी नेवादा थाना जफराबाद जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष शामिल रहे।

विद्युत विभाग ने बड़े बकायेदारों से 12 लाख रुपये की वसूली करते हुए 85 उपभोक्ताओं के लाइन काटे

-विशाल सोनी

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विद्युत विभाग का बड़े बकायेदारों के खिलाफ सघन चेकिंग एवं एक मुश्त समाधान योजना का अभियान लगातार जारी है। विद्युत विभाग की टीम ने उपखंड अधिकारी शाहगंज धर्मेंद्र कुमार गुप्ता के नेतृत्व में रविवार को सर्किल के पट्टी चकेसर, जमदरा, पाराकमाल, शाहगंज टाउन में कैंप करके एवं सघन चेकिंग तथा एक मुश्त समाधान योजना अभियान के तहत लगभग 12 लाख रुपए की वसूली बकायेदार उपभोक्ताओं से करते हुए राजस्व का लाभ पहुंचाया।वहीं पर 200 उपभोक्ताओं ने एक मुफ्त समाधान योजना का लाभ उठाया तथा 85 बड़े विद्युत उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए। उक्त टीम के साथ अवर अभियंता राजकुमार सिंह, अवर अभियंता भानु प्रताप सिंह, बलदाऊ यादव, इंद्रजीत यादव, विपिन कुमार बिंद, मुन्ना सिंह सहित समस्त लाइनमैन उपस्थित रहे। वहीं पर उपखंड अधिकारी धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने विद्युत उपभोक्ताओं से अपील किया है कि 31 दिसंबर तक एक मुफ्त समाधान योजना के अंतर्गत पंजीयन कराकर छूट का लाभ उठाये।अन्यथा समय खत्म होने पर उपभोक्ता प्रथम चरण के छूट का लाभ नहीं उठा पाएंगे।

महाकुंभ श्रद्धालुओं की सुरक्षा में तैनात किए जाएंगे 50,000 पुलिसकर्मी

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने सोमवार को कहा कि महाकुंभ मेला 2025 में आतंकी खतरों, साइबर हमलों, हमलावर ड्रोन और मानव तस्करी से निपटने के लिए प्रयागराज में 50,000 पुलिसकर्मियों की एक मजबूत टीम तैनात की जाएगी। हर 12 साल में होने वाला महाकुंभ प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। महाकुंभ में करीब 45 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है। उप्र के डीजीपी कुमार ने पीटीआई-भाषा' को दिए गए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि वह सुरक्षित कुंभ के लिए व्यक्तिगत रूप से सुरक्षा उपायों की निगरानी कर रहे हैं। प्रशांत कुमार ने कहा कि यह कुंभ वास्तव में डिजिटल होगा, जिसमें पुलिस बल आधुनिक तकनीकों जैसे एआई सक्षम कैमरे ड्रोन का प्रयोग करने के अलावा हमलावर ड्रोन का पता लगाने और उन्हें बेअसर करने के लिए प्रभावी रणनीति का उपयोग करेगा। साइबर अपराधों में वृद्धि के बीच पुलिस तीर्थयात्रियों को साइबर अपराधियों से बचाने के लिए सभी उपाय कर रही है। डीजीपी ने कहा, महाकुंभ से पहले पुलिस बल ने फ्यूचर क्राइम रिसर्च फाउंडेशन' से निजी विशेषज्ञों की एक टीम को काम पर रखा है और साइबर धोखाधड़ी और अपराधों से तीर्थयात्रियों को बचाने के लिए आईआईटी कानपुर के साथ गठजोड़ किया है। उन्होंने कहा हमने पहली बार महाकुंभ क्षेत्र में एक साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित किया है। हमने साइबर गश्त और साइबर सुरक्षा नेटवर्क का विश्लेषण करने के लिए आईफोरसी' और सर्ट-इन' जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों को शामिल किया है। वे डेटा सुरक्षा पर भी काम करेंगी। पुलिस की तैनाती के बारे में पूछे जाने पर, कुमार ने कहा कि इस बार लगभग 50,000 पुलिसकर्मी ड्यूटी पर होंगे, जो 2019 में पिछले कुंभ की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक हैं। मेले में सबसे महत्वपूर्ण चुनौती भीड़ प्रबंधन और यातायात योजना के बारे में कुमार ने कहा कि यातायात की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और भीड़भाड़ के स्रोत पर प्रभावी उपाय किए जाएंगे। डीजीपी ने कहा, ष्हमने 2,700 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं, जिनमें एआई क्षमता वाले कैमरे भी शामिल हैं और भीड़ के घनत्व, आवाजाही, प्रवाह, बैरिकेड जंपिंग, आग और धुएं के बारे में सूचना देने के प्रबंध किए गए हैं। स्वचालित नंबर प्लेट पहचान क्षमताओं के साथ, पार्किंग क्षेत्रों का प्रबंधन किया जाएगा और शहर में आने वाले वाहनों की संख्या का अनुमान लगाया जा सकेगा।

एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र, जिसमें चार शाखाएं हैं--- तीन मेला क्षेत्र में और एक शहर में- भीड़ की आवाजाही पर 24 घंटे नजर रखेगा। आपातकालीन स्थिति में तीर्थयात्रियों के लिए कई डायवर्जन' योजनाएं भी हैं। अति विशिष्ट व्यक्तियों के मेला दौरे के नियंत्रण पर कुमार ने कहा कि आने वाले किसी भी व्यक्ति को सामान्य दिनों में एक किलोमीटर और प्रमुख 'स्नान' पर्व के दिनों में तीन किलोमीटर चलना होगा। आतंकी खतरों को रोकने के लिए किए जा रहे उपायों और उनका मुकाबला करने के लिए खुफिया जानकारी को कैसे मजबूत किया जा रहा है, इस बारे में पूछे जाने पर, कुमार ने कहा, आतंकवाद रोधी तैयारियों के लिए, हमारे पास नागरिक बल के अलावा एनएसजी, एटीएस, एसटीएफ हैं। डीजीपी ने कहा, किसी भी खतरे के बारे में खुफिया जानकारी जुटाने के लिए सभी केंद्रीय एजेंसियों को शामिल किया गया है। रणनीतिक बिंदुओं पर सशस्त्र बल तैनात रहेंगे और खुफिया तंत्र भी तैनात रहेंगे। ज्ञात अंतरराष्ट्रीय तत्वों को पहचानने के लिए फेस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर' भी मौजूद है। जलाशयों और उसके आसपास श्रद्धालुओं की सुरक्षा के बारे में कुमार ने कहा कि गहरे पानी में अवरोधक, पानी के नीचे के ड्रोन और विशेषज्ञ गोताखोरों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा, हम नदी के बीच में संकट में फंसे लोगों की मदद के लिए रोबोटिक ब्वॉय' भी ला रहे हैं। खोए-पाए मामलों की रणनीति के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि 10 डिजिटल खोया-पाया केंद्र स्थापित किए गए हैं और ऐसे मामलों में लोगों की सहायता के लिए स्थानीय पुलिस भी मौजूद रहेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस खोए हुई मोबाइल को खोजने के लिए एक नेटवर्क भी तैयार कर रही है।

31 दिसंबर की रात मिडनाइट मिराज - 2025 के साथ होगा धमाल

पटना (उत्तरशक्ति)। नए साल के जश्न को लेकर राजधानी के सगुना - खगौल रोड स्थित होटल रमता कॉन्टिनेंटल में विशेष इंतजाम किये जा रहे हैं। होटल में खाने - पीने से लेकर मनोरंजन की बेहतरीन व्यवस्था की जा रही है। होटल रमता कॉन्टिनेंटल के एमडी सौरभ सिंह ने बताया कि होटल द्वारा मिड नाईट मिराज - 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें पटनावासियों के मनोरंजन के लिए खास इंतजाम किये जा रहे हैं। सीईओ आर के रंजन ने कहा कि इस कार्यक्रम में लोग लाइव डीजे एंड डांस फ्लोर, लाइव सिंगिंग, एंकर, लाइव सेक्सोफोन, नेल पेंट, हुक्का, टैटू, क्रैकर शो, फन एंड गेम्स, केक कटिंग सेरेमनी, गिफ्ट्स एंड बेस्ट कपल अवार्ड, अनलिमिटेड बुफे गाला डिनर के साथ ही स्टार्टर्स एवं मॉकटेल्स का लुत्फ उठा सकेंगें। वहीं बच्चों के लिए किड्स जोन की भी व्यवस्था की गई है। होटल के जीएम अश्विनी ठाकुर ने कहा कि सिंगर, एंकर और डांस ट्रूप अपने दमदार परफॉरमेंस से लोगों को रात भर झुमाएँगे। वहीं होटल के एफ एंड बी मैनेजर विकास आनंद राज ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन रात 8 बजे से किया जाएगा जिसमें शामिल होने के लिए कपल्स के लिए 1999, स्टैग के लिए 1099 व बच्चों के लिए 699 एंट्री फीस रखी गयी है। उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर की रात को खास बनाने के लिए हम होटल में ठहरने वाले ग्राहकों को डबल ऑक्यूपेंसी रूम के साथ कपल टिकट मात्र 4999 में उपलब्ध करवाएंगे। वहीं होटल के एग्जीक्यूटिव शेफ सत्यम कुमार ने कहा कि लोगों के मनोरंजन के साथ हमने खास व्यंजनों की व्यवस्था की है जिसमें वेज और नॉन - वेज स्टार्टर्स, मॉकटेल काउंटर्स, अनलिमिटेड बुफे गाला डिनर शामिल है। होटल के बीडीएम मो. मसरूर आलम, एफओएम रंजीत कुमार, सीएसओ संतोष कुमार, प्रोजेक्ट मैनेजर शिकंदर कुमार, परचेज मैनेजर अनिल कुमार एवं अकाउंटेंट सन्नी कुमार ने पटनावासियों को 31 दिसंबर की रात होटल में शामिल होकर अपने रात को यादगार बनाने की अपील की।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकी मिलीाात वर्षीय बच्ची

भदोही(उत्तरशक्ति)। जिला मुख्यालय के नगर कोतवाली क्षेत्र में रविवार को आत्महत्या के एक संदिग्ध मामले में सात वर्षीय एक बच्ची संदिग्ध परिस्थितियों में अपने घर पर फंदे से लटकी हुई मिली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) तेजवीर सिंह ने बताया कि बच्ची का शव पूर्वाह्न करीब 11 बजे कमरे के टिनशेड के एक एंगल से साड़ी के फंदे से लटका हुआ मिला।

सिंह ने बताया, बच्ची के माता-पिता राजमिस्त्री हैं और घटना के समय काम पर गए हुए थे। उसके तीन अन्य भाई-बहन (13, 5 और 4 वर्ष) घर के अंदर थे, जब उसने खुद को कमरे में बंद किया और अपनी जान दे दी।" उन्होंने बताया कि फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उन्होंने बताया कि घटना के कारणों की पुष्टि करने के लिए जांच सहित आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। उत्तर प्रदेश के बरेली से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर वर्षों से बंद पड़े ईंट भट्ठे में एक महिला का शव निर्वस्त्र मिला है। हत्या के बाद महिला का चेहरा कुचल दिया गया और पेट्रोल डालकर उसकी बॉडी जलाई गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू की। पुलिस ने आशंका जताई है कि महिला के साथ रेप की घटना को अंजाम देने के बाद उसकी हत्या की गई। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

यूको बैंक के 10 लाख के गबन का आरोपी हेड कैशियर गिरफ्तार

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। यूको बैंक की शाहपुर शाखा में दस लाख रुपये के गबन के आरोपी हेड कैशियर कलीम अहमद को बेलघाट पुलिस ने शनिवार को सिकरीगंज के घुचियारी गांव से पकड़ लिया। हालांकि मामले में एक अन्य आरोपी उसका स्वीपर भाई शमीम उर्फ रिंकू अब भी फरार है। उधर, बैंक की गोरखपुर मुख्य शाखा की तरफ से केस दर्ज कराने के लिए एसएसपी को प्रार्थना पत्र दिया गया है। यूको बैंक शाहपुर में हेड कैशियर के द्वारा गबन का मामला 29 नवंबर को सामने आया था। गोला थाना क्षेत्र की उचगांव निवासी राधिका पासबुक प्रिंट कराने आई थीं। उन्हें पता चला कि खाते में पैसा ही नहीं जमा है, जबकि 11 नवंबर को 43,500 रुपये जमा किए थे। जमा पर्ची भी उनके पास थी। शाखा प्रबंधक से हेड कैशियर की शिकायत की। इसके बाद जैसे-जैसे लोगों को जानकारी हुई वे भी पासबुक अपडेट कराने लगे। एक-एक कर करीब 23 लोगों ने शिकायत की। पांच मामलों में बेलघाट पुलिस ने केस दर्ज किया। आरोप है कि कैशियर उपभोक्ताओं से रुपये लेकर उन्हें फर्जी पर्ची थमा देता था। कुछ लोगों के रुपये फर्जी अंगूठा और हस्ताक्षर से जरिये भी निकालने का आरोप है। इसी बैंक में आरोपी कैशियर का भाई शमीम भी स्वीपर के पद पर काम करता था। उसे मामले का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। घटना सामने आने के बाद से दोनों भाई फरार हो गए। पुलिस ने कैशियर को तो दबोच लिया है, पर शमीम की तलाश जारी है। वर्ष 2004 में कलीम अहमद संविदा पर स्वीपर के पद पर नियुक्त हुआ था। इसके बाद वह चपरासी फिर लिपिक और 2009 में कैशियर बन गया। एक ही जगह लंबे समय तक काम करने से उसकी काफी लोगों से जान-पहचान हो गई। लोग भी उस पर विश्वास कर रुपया और पासबुक देकर चले जाते थे। आरोप है कि अभी तक 23 उपभोक्ताओं से करीब 10 लाख रुपये का फर्जीवाड़ा सामने आ चुका है।

तीन स्तरीय जांच के बाद ही महाकुंभ मेला क्षेत्र में प्रवेश मिलेगा

महाकुंभनगर(उत्तरशक्ति)। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने आने वालों को तीन स्तरीय जांच के बाद ही मेला क्षेत्र में प्रवेश मिलेगा। महाकुंभनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि महाकुंभ, प्रयागराज और आसपास के जिलों में तीन स्तरीय सुरक्षा तंत्र मुस्तैद किया गया है, जिससे एक एक श्रद्धालु की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए। महाकुंभनगर में पुलिस ने कई चेकिंग प्वाइंट बनाए हैं। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिस का खुफिया दस्ता सक्रिय है। इनका काम किसी भी संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के साथ साथ वरिष्ठ अधिकारियों से तालमेल बनाकर सेफ्टी ऑपरेशन को मजबूती से लागू करना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चाहते हैं कि महाकुम्भ को अविस्मरणीय बनाया जाए। गलत इरादों को लेकर यहां कोई भी प्रवेश न कर सके, इसके लिए जनपद प्रवेश के दौरान एक एक व्यक्ति की चेकिंग का इंतजाम किया गया है। इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत और हाईटेक किया जा रहा है। महाकुंभ पर पूरी दुनिया की नजर टिकी है। नए साल को लेकर महाकुंभनगर की पुलिस पूरे अलर्ट मोड में आ गई है। मेले में मंदिरों और प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। द्विवेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी का विशेष फोकस इस बार डिजिटल महाकुंभ पर है। इसी के मद्देनजर दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन में आटिर्फिसिल इंटेलिजेंस (एआई) कैमरों का इस्तेमाल शुरू किया है। इसके अलावा ड्रोन, एंटी ड्रोन और टी थड ड्रोन अपने स्तर पर अलग अलग मोर्चे पर तैनात किए गए हैं। देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की साइबर सुरक्षा का भी विशेष इंतजाम किया गया है। साइबर पेट्रोलिंग भी तेज कर दी गई है।

गरीबों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए जमीन पर उतरकर काम करें : बृजेश यादव

जौनपुर। खुटहन थाना अंतर्गत स्थित शहाबुद्दीनपुर गांव निवासी व समाजसेवी रंजीत यादव राना के सौजन्य से रविवार को उनके आवास पर पांच सौ जरूरतमंदो में कंबलों का वितरत ब्लाक प्रमुख बृजेश यादव के हाथों कराया गया। जिसे पाकर जरूरतमंदो के चेहरे खिल उठे। बतौर मुख्य अतिथि भाजपा समर्थित ब्लाक प्रमुख बृजेश यादव ने कहा कि देश को खुशहाल और गरीबों के चेहरे पर मुस्कान तभी आ सकती है, जब समाज के सभी सक्षम लोग जमीन पर उतर उनकी हर संभव मदद करें। मंच से घोषणाएं और आदर्श वाक्य बोलने से गरीबों का भला होने वाला नहीं है। जिसको लेकर वर्तमान केन्द्र व प्रदेश सरकार जमीनी स्तर पर उतर विकास के पायदान पर सबसे पीछे खड़े परिवारों का उत्थान कर उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ रही है।हम सभी का योगदान मिलते योजनाएं परवान चढ़ने लगेगी। उन्होंने कहा कि सबसे सार्थक दान वही है, जो पाने वालों के चेहरे पर खुशी ला सके। इस कड़ाके की ठंड में गर्म वस्त्र जरूरतमंदो को निहायत आवश्यक है। इससे उन्हें सहूलियत मिलेगी। इस मौके पर मेवालाल यादव,जेपी यादव, धर्मदेव यादव, राजेन्द्र यादव,राजन विकास आदि मौजूद रहे।

जौनपुर में केंद्रीय विश्वविद्यालय बना तो हर गांव होगा माधवपट्टी: कृपाशंकर सिंह

बलदेव कान्वेंट स्कूल के वार्षिकोत्सव में पहुंचे गणमान्य

जौनपुर। शिक्षा के क्षेत्र में जौनपुर के माधवपट्टी गांव का पूरे देश में अद्वितीय स्थान है। इस गांव की मिट्टी से निकलकर सबसे अधिक बच्चे आईएएस ,पीसीएस बनकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। जौनपुर के पूर्वांचल विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने के लिए मैं पिछले दो दशक से अधिक समय से लगातार प्रयास कर रहा हूं। अगर इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा मिला तो जनपद के हर गांव के बच्चों का आईएएस पीसीएस बनने का सपना साकार होगा। बलदेव कान्वेंट स्कूल, उदपुर गेल्हवा,

बदलापुर के वार्षिकोत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री तथा वरिष्ठ भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल में शिक्षा की अलख जगा रहे इस विद्यालय के विकास की दिशा में वे हर संभव सहयोग करेंगे। विद्यालय के प्रबंधक रामाज्ञा शुक्ला का अभिनंदन करते हुए उन्होंने समस्त विद्यालय परिवार को वार्षिकोत्सव की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने भी समारोह को संबोधित किया। विद्यालय के बच्चों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों में पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्यामराज सिंह, भाजपा युवा नेता अखिल मिश्रा, युवा समाजसेवी मनोज कुमार सिंह, समाजसेवी सुभाष सिंह नेता, सत्यम सिंह, प्रधान रोहित सिंह, रमाशंकर सिंह, बबलू सिंह आदि का समावेश रहा। विद्यालय के प्रिंसिपल दुर्गेश शुक्ला ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन राम आसरे यादव ने किया।

नए साल पर बाबा विश्वनाथ धाम सहित अन्य, मंदिरों में मत्था टेकेंगे 20 लाख श्रद्धालु

-सुरेश गांधी

वाराणसी। पूरी दुनिया उत्सव और जश्न मनाकर नए साल का स्वागत करती है। अब ये उत्सव का हिस्सा बन चुका है। हर किसी की ख्वाहिश होती है नई सुबह में स्वर्णिम उम्मींदों का सूर्य हमारे जीवन में आशा, आस्था, अध्यात्म, अवसर, अपनेपन के अमृत का संचार हो, जीवन में आलोक फैलाएं। इन्हीं उज्जवल भविष्य की उम्मींदों के साथ अपने आराध्य के दर्शनों के साथ नए साल की शुरूआत करने वाले भक्तों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। पूर्व के सालों को देखते हुए कहा जा सकता है इस बार भी नए साल पर बाबा विश्वनाथ धाम में तकरीबन 6 से 7 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन-पूजन करेंगे। जबकि पिछले साल यह संख्या 4 लाख के आसपास थी। स्वर्वेद मंदिर में भी 6 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे।

संकट मोचन मंदिर, माता दुर्गा मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर बीएचयू, माता अन्नपूर्णा, कालभैरव, महामृत्युंजय मंदिर सहित शहर के कई अन्य मंदिरों में भक्तों का जमावड़ा होने वाला है। 30 दिसंबर से 1 जनवरी तक बाबा विश्वनाथ और स्वर्वेद महामंदिर धाम सहित कई मंदिरों व धार्मिक स्थलों पर 20 लाख से अधिक भक्तों के आने की संभावना है। खास बात यह है कि नए साल 2025 की अगवानी के लिए बाजार से लेकर सभी प्रमुख इलाके व मंदिर सज गए है। इसके अलावा बड़े पैमान पर होटल व धर्मशालाओं की बुकिंग हो रही है।

कहते हैं कि साल की शुरूआत जिस तरह होती है, उसी तरह पूरा साल भी गुजरता है। इसीलिए हर उम्र का व्यक्ति नए जोश व उमंग के साथ नए वर्ष के स्वागत की तैयारी करता है। यही वजह है कि हर सख्श नए साल के मौके पर जोश और जुनून से भरा हुआ नजर आता है। साल 2025 भी इसी तरह लोगों में जोश और अपने लक्ष्य पाने की उम्मीद लेकर आने वाला है। युवा हो या बच्चे, बुजुर्ग हो या नौजवान, खिलाड़ी हो या पहलवान, युवतियां हो या महिलाएं सभी अपने-अपने स्तर नए साल के जश्न की तैयारी में है। नए साल में क्या करना है, कैसे करना है, का प्लान बना रहे हैं। वैसे भी सभी को नए साल का बेसब्री से इंतजार होता है। नया साल सभी के लिए खास होता है।

बाबा धाम में 3 जनवरी तक स्पर्श दर्शन पर रोक

नए साल के मौके पर भारी भीड़ को देखते हुए काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने दर्शन पूजन के लिए गाइडलाइन जारी की है. नए गाइडलाइन के मुताबिक 31 दिसंबर से 3 जनवरी तक स्पर्श दर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान सभी श्रद्धालु बाबा का झांकी दर्शन कर सकेंगे. बता दें, इस बार काशी विश्वनाथ मंदिर में नव वर्ष पर रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई जा रही है, ऐसे में मंदिर प्रशासन की तरफ से श्रद्धालुओं के सुलभ दर्शन और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए निर्धारित समय अवधि तक बाबा के स्पर्श दर्शन पर रोक लगाई गई है. काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा का कहना है कि नव वर्ष 2025 शुरूआती दिनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए पहुंचने वाले हैं. इस मौके पर मंदिर प्रशासन प्रत्येक श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत करने के साथ-साथ यह भी आश्वस्त करना चाहता है, सभी श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए मंदिर प्रशासन पूरी तरह तत्पर रहेगा. काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि 13 दिसंबर 2021 से लेकर इस वर्ष 13 दिसंबर 2024 पूर्ण होने पर कुल 19 करोड़ 12.लाख 83 हजार 57 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं. प्रमुख तिथि त्योहार पर बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या रोजाना 3 लाख से ऊपर होती है, ऐसे में नव वर्ष के शुरूआती दिनों में संभावना जताई जा रही है कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने के लिए पहुंच सकते हैं.

आम दिनों में मंदिर में ढुंढिराज द्वार और सरस्वती फाटक से प्रवेश और निकास दोनों होता है। लेकिन पहली जनवरी से इन गेटों से केवल प्रवेश की अनुमति होगी। श्रद्धालु जो ढुंढिराज द्वार से प्रवेश करेंगे, वे नंदू फारिया गली से बाहर निकलेंगे। वहीं, सरस्वती फाटक से प्रवेश करने वाले दर्शनार्थी कालिका गली से बाहर जाएंगे। गंगा द्वार की ओर जिक-जैक बैरिकेडिंग भी बढ़ाई जाएगी ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। श्री काशी विश्वनाथ धाम में आरती, दर्शन और रुद्राभिषेक की बुकिंग 27 जनवरी तक पूरी तरह से फुल हो चुकी है. 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक सभी टिकटों की बुकिंग पर रोक लगा दी गई है. यह पहला मौका है जब धाम बनने के बाद चारों प्रहर की आरती, सुगम दर्शन और रुद्राभिषेक की बुकिंग महीने भर के लिए फुल हो गई है. बता दें, मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ दिसंबर के आखिरी सप्ताह में अचानक बढ़ गई है. 21 दिसंबर को 1.80 लाख, 22 दिसंबर को दो लाख, 23 दिसंबर को डेढ़ लाख, 24 दिसंबर को 1.75 लाख और 25 दिसंबर को 1.90 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए. 27 दिसंबर को यह संख्या 2.70 लाख से भी अधिक हो गई. वर्ष के अंतिम दिन और नए साल के अवसर पर श्रद्धालुओं की संख्या 6 से 7 लाख तक पहुंचने का अनुमान है.